मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार,26 अगस्त 2025

संवत 2082, भाद्रपद शुक्ल 3 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 353 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ बेलगाम जानवर, मजबूर इनसान

जान्हवी कपूर ने बताया परम सुंदरी में कैसा है उनका किरदार ◂◂ 6

विधानसभा का मानसून सत्र

वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारों से गूंजा सदन, कार्यवाही स्थगित

संवाददाता

रांचीः झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र का तीसरा दिन मंगलवार को हंगामे की भेंट चढ़ गया। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक आमने-सामने आ गए। सत्तापक्ष के विधायकों ने एसआईआर के मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया, वहीं विपक्षी भाजपा विधायकों ने पूर्व नेता सूर्या हांसदा हत्याकांड की सीबीआई जांच और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सम्मान देने की मांग उठाई।

सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा तेज हो गया। झामुमो विधायक प्रदीप यादव ने एसआईआर वापस लेने की मांग की, जिसके बाद सदन में वोट चोर गद्दी छोड़ो जैसे नारे गूंजने लगे। इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही वेल में घुस गए और हंगामा करने लगे। इस दौरान विपक्षी विधायकों ने वेल में लगे पोस्टर तक फाड़ डाले। स्पीकर ने स्थिति संभालने की कोशिश की, लेकिन हंगामा नहीं रुका। अंततः स्पीकर को कार्यवाही केवल तीन मिनट चलने के बाद 2 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

विस में एक बार फिर गरमाया डेमोग्राफी का मुद्दा, बीजेपी विधायकों ने जमकर की नारेबाजी

रांचीः मानसून सत्र के दौरान एक बार फिर राज्य में बदल रहे डेमोग्राफी का मुद्दा गरमाया रहा। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने विधानसभा पोर्टिको में जमकर नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए इसकी रोकथाम की मांग करते नजर आए। इधर, भाजपा विधायकों के नारेबाजी की वजह से विधानसभा परिसर गुंजता रहा।

इस मौके पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि एक-एक विधानसभा में डेमोग्राफी सुनियोजित तरीके से बदल रहे हैं और इसे कराए जा रहे हैं। कांग्रेस एवं अन्य दलों के द्वारा एसआईआर का विरोध किए जाने की आलोचना करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि

आखिर क्या होना चाहिए, ये लोग तो यह स्पष्ट करें।

उन्होंने कहा कि सरकार यदि विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं देगा तो आखिर सदन कैसे चलेगा। हमलोग तो सरकार के समक्ष आवाज ही उठाएंगे। सदन में या सदन के बाहर मगर सरकार मानने को तैयार नहीं है। हमलोगों ने कल छोटी सी मांग की थी कि सूर्या हांसदा संदेहास्पद एनकाउंटर मामले में सीबीआई जांच की जाए, जिसमें सरकार को कुछ भी पैसा खर्च नहीं होना है। नगड़ी की जमीन किसानों को वापस कर दीजिए, इसे 2012 से पहले की तरह किसानों को मालगुजारी रसीद कटने की सुविधा हो जाएगी। लेकिन सरकार मानने को तैयार नहीं है।

एसआईआर का विरोध उचित नहीं-: नवीन जायसवाल भाजपा के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने कहा कि एसआईआर का विरोध करना उचित नहीं है। जिस तरह से चुनाव के समय बहुत सारे वाटर यहां नजर आते हैं, बाद बाकी समय कभी नजर नहीं आते। सही वोटर का नाम मतदाता सूची में रहे और फर्जी वोटर का नाम लिस्ट से बाहर हो, यही तो भाजपा मांग कर रही है।

उन्होंने कहा कि हमारे नागरिकता का सबसे बड़ी पहचान वोटर आईडी है और इसमें देश की सुरक्षा का सवाल है। ऐसे लोगों को डिलीट नहीं करना है बल्कि डिपोर्ट करना है, जो अवैध रूप से यहां रह रहे हैं। तेजी से राज्य में बढ़ रहे बांग्लादेशियों की संख्या पर चिंता जताते हुए नवीन जायसवाल ने कहा कि चौक चौराहे पर मजदूर जो रहते हैं, उनसे पूछिए कि रेजा का काम करने वाले कौन हैं तो बताएंगे कि बांग्लादेशी हैं और वह कहां से यहां आए हैं।

घरेलू कलह में पत्नी की धारदार हथियार से हत्या, पति गिरफ्तार

संवाददाता

गिरिडीहः जिले से दिल को झकझोर देने वाली घटना की खबर सामने आई है। दरअसल यहां घरेलू कलह के चलते एक पति ने अपनी पत्नी को बेरहमी के साथ मौत के घाट उतार दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, मामला मुफ्फसिल थाना इलाके के जोगीटांड का है। मृतक महिला की पहचान कंचन देवी के रूप में हुई है। आरोपी पति की पहचान गोपी दास के रूप में हुई हैं। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि गोपी दास का कई दिनों से अपनी पत्नी के साथ झगड़ा चल रहा था। सोमवार को परिजनों और पुलिस ने दोनों का समझौता करवाकर घर भेज दिया। लेकिन पति ने घर पहुंचने से पहले ही धारदार हथियार से अपनी पत्नी का गला रेत दिया। जिससे पत्नी घायल हो गई। घटना के बाद आनन-फानन में कंचन को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान कंचन की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों का चार साल पहले प्रेम विवाह हुआ था। इधर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। वही घटना के बाद मृतका के मायके वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में फटा बादल, 10 से अधिक घर तबाह

जम्मूः जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बादल फटने की घटना पेश आई है। बादल फटने के बाद अचानक आए सैलाब में दस से अधिक घर बर्बाद हो गए हैं। इलाके में राहत बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अभी किसी भी प्रकार के जानमान के नुकसान की खबर नहीं है। जिला प्रशासन की टीमों ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने शाम तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, ऐसे में रेस्क्यू टीमों को राहत बचाव कार्य में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

राजस्थान के उदयपुर में दर्दनाक हादसा

उफनते नाले में गिरी कार, दो की मौत, तीन लापता

नई दिल्ली : राजस्थान के उदयपुर में सोमवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। खेरवाड़ा इलाके में एक कार अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई। कार में पांच लोग सवार थे, जिनमें से दो को सुरक्षित निकाल लिया गया, जबकि तीन लोग लापता हो गए। खेरवाड़ा थानाधिकारी दलपत सिंह ने बताया कि रेस्क्यू अभियान के दौरान देर रात दो लापता लोगों के शव बरामद कर लिए गए, लेकिन एक शख्स अब भी लापता है। उसकी तलाश जारी है।

राजस्थान में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। आधा दर्जन से अधिक जिलों के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं और नदी-नाले उफान पर हैं। सवाई माधोपुर, कोटा, बूंदी, टोंक, दौसा, उदयपुर, झालावाड़ और सीकर में स्थिति गंभीर बनी हुई है। सोमवार को 18 जिलों में स्कूल बंद रखने पड़े, वहीं कोटा विश्वविद्यालय की परीक्षाएं स्थगित कर दी गईं।

प्रशासन ने सवाई माधोपुर और कोटा में तीन सौ से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। कई गांवों और कस्बों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है, जिससे लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं।

झोपड़ी में घुसी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो , दंपती की मौत

सहरसाः बिहार के सहरसा जिले से भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जहां सोमवार की रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो एक फूस की झोपड़ी में घुस गई। इस घटना में दंपती की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं आक्रोशित ग्रामीणों ने पूर्वी कोसी तटबंध के पास सड़क जाम कर प्रदर्शन किया।

खाना खाने के बाद झोपड़ी में सो रहे थे पति-पत्नीः जानकारी के अनुसार, घटना जिले के नवहट्टा थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान हाटी पंचायत के बराही वार्ड 15 के निवासी लक्ष्मी पासवान (55) और उनकी पत्नी तारा देवी (50) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों पति-पत्नी रात 9 बजे खाना खाने के बाद झोपड़ी में सो रहे थे। इसी दौरान रात करीब 11:30 बजे तेज रफ्तार स्कॉर्पियो झोपड़ी में जा घुसी, जिसके बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने दंपती को नजदीकी अस्पताल भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इधर, ग्रामीणों ने स्कॉर्पियो चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। जबकि गाड़ी में सवार दूसरा व्यक्ति फरार हो गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीण ने मंगलवार को नवहट्टा के पूर्वी कोसी तटबंध सड़क जाम कर मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र सरकार को निर्देश, सोशल मीडिया कंटेंट नियंत्रण के लिए एनबीएसए से करें परामर्श

नई दिल्ली :सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली सामग्री को नियंत्रित करने के लिए प्रस्तावित दिशानिर्देश तैयार कर रिकॉर्ड में पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि ये दिशानिर्देश समाचार प्रसारण मानक प्राधिकरण (एनबीएसए) और डिजिटल एसोसिएशन के परामर्श से बनाए जाएं। इस मामले की अगली सुनवाई नवंबर में होगी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का व्यवसायीकरणः सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का व्यवसायीकरण करते हैं और उनकी टिप्पणियों से समाज के विभिन्न वर्गों–दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे, वरिष्ठ नागरिक और अल्पसंख्यक–की भावनाएं आहत होने की आशंका रहती है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र सरकार से कहा कि पॉडकास्ट जैसे ऑनलाइन कार्यक्रमों सहित सोशल मीडिया पर आचरण को विनियमित करने के लिए ठोस दिशा-निर्देश तैयार किए जाएं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इन दिशा-निदेशों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अधिकार के बीच संतुलन कायम होना चाहिए। समय रैना मामले में सुनवाईः यह टिप्पणी कोर्ट ने उस समय की, जब वह हास्य कलाकार समय रैना और अन्य के खिलाफ दिव्यांग व्यक्तियों पर असंवेदनशील चुटकुले बनाने के मामले की सुनवाई कर रही थी। जस्टिस बागची ने कहा कि हास्य जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन हल्केपन के नाम पर संवेदनशीलता को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। वहीं, जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि असंवेदनशील चुटकुले बनाकर दिव्यांगों को मुख्यधारा में लाने का संवैधानिक उद्देश्य ध्वस्त किया जा रहा है। पीठ ने कहा कि जब तक उल्लंघन पर निश्चित और ठोस परिणाम तय नहीं किए जाते, लोग जिम्मेदारी से बचते रहेंगे। परिणाम औपचारिकता भर न होकर नुकसान के अनुपात में होने चाहिए। कोर्ट ने साफ किया कि उसका उद्देश्य अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाना नहीं, बल्कि आहत करने वाले भाषण और स्वतंत्र अभिव्यक्ति के बीच एक स्पष्ट रेखा खींचना है।

यूजर्स को संवेदनशील बनाना मुख्य उद्देश्यः अटॉर्नी जनरल आर। वेंकटरमणी ने केंद्र की ओर से पेश होकर कहा कि प्रस्तावित दिशानिर्देशों का मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया यूजर्स को संवेदनशील बनाना होगा। हालांकि, यदि कोई उल्लंघन करता है तो उसे अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी।

अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ को लेकर जारी किया मसौदा, नए नियम कल से लागू

नई दिल्लीः अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पहले की गई घोषणा के अनुसार भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की योजना का विवरण देते हुए एक मसौदा नोटिस जारी किया है। ये शुल्क 27 अगस्त यानी बुधवार से लागू होंगे। गृह मंत्रालय ने सोमवार को प्रकाशित मसौदा आदेश में कहा कि बढ़ा हुआ शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होगा जिन्हें 27 अगस्त 2025 को ह्यईस्टर्न डेलाइट टाइम' (ईडीटी) के अनुसार रात 12 बजकर एक मिनट या उसके बाद उपभोग के लिए (देश में) लाया गया है या गोदाम से निकाला गया है।''

ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने की सात अगस्त को घोषणा की थी हालांकि उन्होंने समझौते पर बातचीत के लिए 21 दिन का समय दिया था। यह शुल्क जुलाई के अंत में घोषित 25 प्रतिशत शुल्क के अलावा लगाया जाएगा। जुलाई में घोषित किया गया शुल्क सात अगस्त से लागू हुआ था। अमेरिका के राष्ट्रपति के

आधिकारिक आवास एवं कार्यालय ह्यव्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए भारत पर प्रतिबंध लगाए हैं।

ट्रंप के टैरिफ वार पर भारत ने दिखाई सख्ती! अमेरिका के लिए डाक सेवाएं कर दी बंद : अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत पर रूसी तेल की खरीद के बाद उसे दोबारा बाजार में बेचकर ह्यह्यमुनाफा'' कमाने का आरोप लगाया है। वहीं भारत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों को अनुचित और असंगत'' बताया है। भारत ने कहा है कि हर बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह वह भी अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

कैमरून में फंसे 17 मजदूर सुरक्षित वापस लौटे झारखंड

रांची : अफ्रीकी देश कैमरून में कई महीनों से फंसे झारखंड के 17 प्रवासी श्रमिक सोमवार को सुरक्षित अपने राज्य लौट आए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्हें विदेश मंत्रालय और राज्य श्रम विभाग के हस्तक्षेप के बाद वापस लाया गया। कंपनी ने चार महीने से श्रमिकों को वेतन नहीं दिया: झारखंड प्रवासी प्रकोष्ठ की नियंत्रण कक्ष अधिकारी शिखा लाकड़ा ने बताया कि बोकारो और हजारीबाग जिलों से संबंधित ये मजदूर 19 लोगों के समूह का हिस्सा थे, जो एक निजी एजेंसी के माध्यम से कैमरून गए थे और वहां बिजली संचरण परियोजना से जुड़ी एक कंपनी में कार्यरत थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी ने चार महीने से उनका वेतन रोक दिया, जिससे वे आर्थिक संकट में आ गए। इसके बाद श्रमिकों ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर केंद्र और झारखंड सरकार से मदद की गुहार लगाई।

शेष दो श्रमिक बुधवार तक लौट आएंगे: राज्य श्रम विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत विदेश मंत्रालय को अवगत कराया। मंत्रालय ने भारतीय दूतावास के सहयोग से न सिर्फ उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की, बल्कि कंपनी से उनका बकाया वेतन भी दिलवाया। लाकड़ा ने कहा, ह्यह्य17 श्रमिक सोमवार को रांची पहुंचे, जबकि शेष दो बुधवार तक लौट आएंगे।'मानव तस्करी में संलिप्त एक आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

चतरा: सदर थाना पुलिस ने सोमवार को मानव तस्करी में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार तस्कर सदर थाना क्षेत्र के पकरिया गांव निवासी इश्वर साव का पुत्र संतोष कुमार का नाम शामिल है। इसके विरुद्ध सदर थाना में मानव व्यापार से संबंधित मामला दर्ज है। संतोष के विरुद्ध सदर थाना में अपने गांव व आसपास के गांव से लोगों को मजदूरी करने का लालच देकर महानगरों में ले जाकर बेचने का आरोप है। पुलिस को लंबे अरसे से इसकी तलाश थी। सदर थाना में मामला दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहा था। सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि सोमवार को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि मानव तस्करी के मामले में नामजद अभियुक्त संतोष कुमार अपना घर आया हुआ है। उक्त सूचना पर पुलिस की एक टीम पकरिया स्थित उसके घर में छापेमारी अभियान चलाया और उसे उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण

खूंटी: जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, आर. रॉनिटा द्वारा ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। उपायुक्त ने ईवीएम वेयर हाउस के विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की। ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी उप निर्वाचन पदाधिकारी से ली एवं कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ईवीएम वेयर हाउस निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरणों की स्थिति तथा रख रखाव का जायजा लिया। सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। ईवीएम वेयर हाउस तैनात सुरक्षा बलों के लॉग बुक, अग्निशमन यंत्र आदि का निरीक्षण किया। इस दौराने तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सचेत व सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया। इस दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

रक्त मित्र लावालौंग के संस्थापक को किया गया सम्मानित

चतरा : लावालौंग प्रखंड मुख्यालय निवासी सह रक्तमित्र लावालौंग के संस्थापक विवेक केसरी को संघर्ष ज्योति सम्मान से सम्मानित किया गया है।इस आशय की जानकारी देते हुए विवेक केशरी ने बताया कि रोटी बैंक यूथ क्लब धनबाद एवं भूली ब्लड डोनर्स धनबाद के तत्वाधान में उक्त सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें नेपाल,भूटान, झारखंड समेत 18 राज्यों के रक्तवीरों को आमंत्रित किया गया था। सभी आमंत्रित रक्तवीरों सह सामाजिक कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास,धनबाद विधायक राज सिन्हा,पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल एवं जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह के द्वारा सम्मानित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।ज्ञात हो कि विवेक केसरी स्वयं 37 बार रक्तदान कर चुके हैं।वहीं उनके द्वारा अभी तक 35 बड़े रक्तदान शिविरों का भी आयोजन किया जा चुका है। वहीं झारखंड के कोने-कोने से अस्पतालों में इलाजरत जिन मरीजों को खून की आवश्यकता होती है ऐसे 5 से 10 मरीज को प्रतिदिन विवेक केसरी के द्वारा खून उपलब्ध कराया जाता है। जिसमें थैलेसीमिया, सिकल सेल, एनीमिया, दुर्घटनाग्रस्त, प्रस्तुति एवं डायलिसिस के मरीज शामिल है।

प्रमोद बने झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला संगठन सचिव

चतरा: लावालौंग प्रखंड के लमटा गांव निवासी प्रमोद कुमार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा मोर्चा का जिला संगठन सचिव बनाया गया है।उक्त विषय की जानकारी देते हुए द्वारिका प्रसाद ने बताया कि प्रमोद पूर्व में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त थे।उनके अच्छे आचरण,व्यवहार एवं पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों नें उन्हें झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा मोर्चा जिला संगठन सचिव की जिम्मेवारी सौंपा है।जवाबदेही मिलने के बाद प्रमोद कुमार ने बताया कि पूर्व में भी पार्टी के लिए तन मन से कार्य करता रहा हूं।अब पार्टी नें मुझे योग्य समझकर जो जिला स्तर की जिम्मेवारी सौंपी है मैं हर संभव अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए पार्टी के उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

मुख्यमंत्री ने किया कन्वेंशन सेंटर का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बन रहे कन्वेंशन सेंटर का सोमवार को निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से पूरे काम की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि 2018 में 5 हजार लोगों की क्षमता वाले इस कन्वेंशन सेंटर का काम शुरू हुआ था, लेकिन बीच में ही यह बंद हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य हित में इस सेंटर का बेहतर उपयोग करने के लिए ठोस योजना बनाई जाए।

निरीक्षण के दौरान नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश

कुमार, नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, स्मार्ट सिटी के सीईओ सूरज कुमार, जीएम राकेश नंदकुलियार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जनता को गुमराह करने के लिए रिम्स-2 का विरोध: प्रकाश महतो

संवाददाता

सिल्ली: सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश महतो ने रांची जिले के नगड़ी में रिम्स-2 के लिए राज्य और केंद्र सरकार का आभार जताते हुए कहा कि चाहे किसी भी दल का नेता हो भाजपा, जेएलकेएम आदि एंव नगड़ी जमीन बचाओ संघर्ष समिति सब के सब विकास विरोधी है। सबको कमीशन चाहिए, एक तरफ कहते है झारखंड का विकास नही हो रहा है यहां लोग रोजी रोजगार के लिए बाहर प्रदेशों में पलायन कर रहे हैं, आखिर पलायन क्यों नही करेंगे जब आप विकास योजनाओं का कार्य को बढ़ावा देने से रोकेंगे तो पलायन ही ऑप्शन बन जाता है, कुछ विकास विरोधी नेताओं ने 24 अगस्त को हल जोतो, रोपा रोपो का ऐलान किया था। सरकार को उनलोगों के ऊपर कड़ी से कड़ी कारवाई करनी

चाहिए।सरकार रैयतों को न्यूनतम पैसा दें और ऐसा पॉलिसी बनाएं तथा रैयत परिवारों को 3 ग्रेड और 4 ग्रेड में नौकरी दें। देवेन्द्र जैसे छूटभईया नेता अपनी सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए कहीं खुद जाता है इनको परिणाम से कोई मतलब नही। सभी जानते है की आये दिन क्षेत्रों से खबर आती है की चिकित्सा के अभाव में अमुक व्यक्ति का मौत हो गया, इस स्तिथि में रिम्स -2 बन जायेगा तो लोगों को कुछ राहत तो मिलेगा।

चाईबासा मानहानि केस

राहुल गांधी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सुनवाई टाली, अगली सुनवाई 15 दिन बाद

संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दाखिल उस याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी, जिसमें उन्होंने चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए अदालत में चल रही आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी है।

दरअसल, 2018 में चाईबासा में हुई एक चुनावी रैली के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक बयान देने पर प्रताप कुमार नामक व्यक्ति ने मानहानि का मामला दर्ज कराया था। अब इस मामले की सुनवाई झारखंड उच्च न्यायालय में पंद्रह दिन बाद होगी। कुमार ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि राहुल गांधी के बयान मानहानिकारक थे और जानबूझकर शाह की छवि धूमिल करने के लिए दिए गए थे।

इससे पहले 6 अगस्त को गांधी को चाईबासा की एमपी-एमएलए अदालत ने जमानत दी थी। उस दिन वह व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश हुए थे। राहुल गांधी के वकील ने कहा था कि मामला शुरू में रांची में दर्ज हुआ था और 2021 में इसे चाईबासा स्थानांतरित किया गया। हमने उच्च न्यायालय में व्यक्तिगत पेशी से छूट की अर्जी दाखिल की थी और हम उच्च न्यायालय के निदेर्शानुसार यहां उपस्थित हुए। राहुल गांधी ने 2 जून को झारखंड उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और चाईबासा की विशेष अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें 26 जून को अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था।

बांका पुल पर जमा हुआ है कीचड़

फिसलकर गिर रहे बाइक सवार और स्कूली बच्चे

संवाददाता

चतरा: जिले के हंटरगंज - शेरघाटी मुख्य पथ स्थित बांका पुल इन दिनों लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। हाल में हुई बारिश के बाद पुल ध्वस्त हो गई थी जिसके बाद संवेदक के द्वारा मिट्टी भरवाया गया जो जम गई है। यह मिट्टी अब कीचड़ में बदल चुकी है।पुल पर जमा कीचड़ के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। कई बाइक सवार फिसल कर चोटिल हो चुके हैं वही स्कूली बच्चों भी कीचड़ में गिर रहे हैं। पुल में कीचड़ जम जाने से झारखंड से बिहार की ओर आने-जाने वाले राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । लेकिन फिर भी राहगीर कीचड़मय सड़क से आवागमन करने को मजबूर हैं। कीचड़मय पुल बड़े हादसे को आमंत्रण दे रहा है। पुल के नीचे 10 फीट गड्ढा है । जिसमें राहगीर या बच्चें को गिरने की संभावना

है।इससे आक्रोशित लोगों ने सोमवार को स्थानीय विधायक के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में शामिल नागेंद्र राम, चंदन पटेल विशाल पटेल, मंटू पंडित, कृष्णा पासवान, धीरज राम, विद्यानंद पटेल आदि सैकड़ों लोगों ने प्रशासन से पुल की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते पुल का निर्माण नहीं किया गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। जिसकी सारी जिम्मेदारी स्थानीय विधायक, सरकार और जिला प्रशासन की होगी।ग्रामीणों ने कहा की यह सड़क दो दर्जन झारखंड की गांवो को जोड़ते हुए बिहार के शेरघाटी तक पहुंचती हैं।यहां से हजारों की संख्या में वाहन इस रास्ते से आते जाते हैं। पुल की यह स्थिति जिले की छवि को भी नुकसान पहुंचा सकती है।प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि वह स्थिति को देखते हुए जल्द कार्रवाई करे। इससे आम लोगों की आवाजाही सुरक्षित हो सकेगी।लोगों ने कहा कि अगर तत्काल सड़क की मरम्मती नहीं करवाई गई तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

रात 8 से 2 बजे तक रहेगा वाहनों पर प्रतिबंध

चतरा: शहर के बीचोंबीच गुजरने वाले एनएच मुख्य सड़क की जर्जर स्थिति अब सुधारी जाएगी। जगह-जगह गड्ढों और टूटी सड़क की मरम्मती कार्य को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम ने कड़ा कदम उठाया है। इसे लेकर उन्होंने आदेश जारी किया है। एसडीओ के आदेश पर आज से रात 8 बजे से रात के 2 बजे तक नो-एंट्री लागू रहेगी। इस दौरान शहर के मुख्य मार्ग से भारी वाहन, बस, ट्रक और चारपहिया वाहनों का परिचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। वहीं छोटे वाहन और दोपहिया चालक भी वैकल्पिक मार्ग से होकर गुजरेंगे।

विराट शिव गुरु महोत्सव 30 नवंबर को चतरा में

श्री हरिंद्रानंद की कृपा पात्र बरखा दीदी होंगी मुख्य अतिथि

चतरा : विराट शिव गुरु महोत्सव का आयोजन 30 नवंबर को जिला मुख्यालय स्थित बाबा घाट के मैदान में आयोजित की गई है। कई वर्षों के बाद शिव शिष्यों के द्वारा विराट महोत्सव का आयोजन किया गया है।इस आयोजन में मुख्य वक्ता शिव शिष्य प्रणेता हरिंद्रानंद जी की कृपा पात्र बरखा दीदी होंगी। बरखा दीदी आओ चले शिव की ओर कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने में लगी है। बिहार झारखंड सहित भारत के अन्य राज्यों में भी शिव गुरु की बातें लेकर आओ चले शिव की ओर कार्यक्रम को सफल बना रही है। महोत्सव को लेकर चतरा जिला शिव शिष्य परिवार की एक बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में घर-घर जाकर बरखा दीदी के कार्यक्रम के लिए लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। एक महीना पूर्व से ही प्रचार वाहन के माध्यम से महोत्सव की

जानकारी जन जन तक पहुंचाई जाएगी। यह जानकारी चतरा जिला के वरिष्ट गुरु भाई राजेश कुमार पांडे ने दी। उन्होंने बताया कि रविवार को राची में आयोजित संगोष्ठी में जिले से सैकड़ो की संख्या में गुरु भाई और गुरु बहन उपस्थित हुए थे जिन्होंने चतरा जिला में आयोजित महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने का प्रण लिया।

सदर थाना पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान, 15 बाइक जब्त

चतरा : सदर थाना पुलिस ने थाना प्रभारी बिपिन कुमार के नेतृत्व में सोमवार को शहर के चतरा- गया मार्ग पर डीएवी स्कूल के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात के नियमों का पालन नहीं करने वाले 15 से अधिक बाइक सवारों को पकड़ा गया। इसके अलावा इनके बाइक को जब्त कर थाना में लगाया गया। इसके बाद परिवहन विभाग के अधिकारियों ने यातायात का उल्लंघन करने वाले बाइक सवारों का फाइन चालान के माध्यम से काटा। थाना प्रभारी ने बताया कि शहर में बाइक सवार लोगों के द्वारा यातायात के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। इसे देखते हुए वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से बाइक चलाने के दौरान अनिवार्य रूप से हेलमेट का प्रयोग करने तथा ट्रिपल लोड नहीं चलने की अपील किया है। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति बगैर हेलमेट व ट्रिपल लोड के साथ बाइक चलाते पकड़े जाएंगे उन्हें फाइन देना पड़ेगा। थाना प्रभारी ने कहा कि यातायात के नियमों का पालन नहीं करने वाले व रेसिंग ड्राइविंग करने वाले बाइक सवारों के कारण ही सड़क दुर्घटनाएं बढ़ गई है। प्रत्येक दिन कहीं ना कहीं बाइक दुर्घटना हो रही है और इसमें लोगों की जान जा रही है। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लोग पुलिस से बचने के लिए नहीं बल्कि अपनी जान बचाने के लिए हेलमेट का प्रयोग करें।

मेगा प्रोजेक्ट्स की प्रगति पर समीक्षा

भूमि व संरचनागत समस्याओं के समाधान पर जोर

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में जिले में चल रहे विभिन्न मेगा प्रोजेक्ट्स से जुड़ी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आधारभूत संरचना से संबंधित परियोजनाओं–जैसे विद्युत, सड़क, पुल-पुलिया तथा भूमि अधिग्रहण से जुड़ी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक के दौरान संबंधित मेगा प्रोजेक्ट्स के प्रतिनिधियों ने एक-एक कर अपनी समस्याएँ रखीं। जिनमें सीसीएल की परियोजनाएँ, डालमिया, एनकेएसटीपीपी टंडवा, एनटीपीसी केरेडारी, कठौतिया-शिवपुर नई बीजी रेल लाइन, जेयूएसएनएल, राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) एवं वाराणसी-रांची-कोलकाता हाईवे (भारतमाला परियोजना) प्रमुख रूप से शामिल रहीं। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर भूमि से जुड़ी अड़चनों तथा अन्य प्रशासनिक समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले के इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का समय पर पूरा होना विकास की गति को और तेज करेगा तथा आमजन को सीधे तौर पर लाभान्वित करेगा।बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, जिला भू अर्जन पदाधिकारी वैभव कुमार सिंह, संबंधित कार्यपालक अभियंता, सभी संबंधित अंचल के अंचल अधिकारी, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं परियोजना प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वच्छता व जल जीवन मिशन की समीक्षा

उप विकास आयुक्त ने दिया आवश्यक दिशा- निर्देश

संवाददाता

खूंटी : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की अद्यतन प्रगति पर एजेंडावार विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

उप विकास आयुक्त द्वारा समीक्षा के क्रम में हर घर जल, झार जल पंचायत, ग्रे वॉटर मैनेजमेंट, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट, जल जीवन मिशन के तहत हो रहे जलापूर्ति की गहन समीक्षा की। योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं ससमय पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिससे आमजनों को पेयजल सुनिश्चित की जा सके। पिविटीजी टोलों में सुचारू रूप से पेयजल आपूर्ति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए।

पंचायतों में प्लास्टिक कचरा संग्रहण के लिए उपलब्ध कराए गए ट्राय साइकिल की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया

गया कि प्लास्टिक कचरा संग्रहण के लिए ट्राय साइकिल का संचालन पंचायती राज विभाग की सहायता से प्रारंभ किया जाए, जिससे दैनिक रूप से कचरा उठाव का कार्य प्रभावी ढंग से प्रारंभ हो सके। इसे लेकर ठोस कार्यप्रणाली बनाने एवं इसके संचालन और रख-रखाव हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में पंचायत स्तर पर संचालित प्लास्टिक पृथक्करण केंद्रों को पूरी तरह क्रियाशील बनाए जाने पर विशेष जोर दिया गया ताकि पंचायतों एवं ग्रामों को प्लास्टिक मुक्त घोषित करने की दिशा में ठोस पहल की जा सके।

उप विकास आयुक्त ने ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों को विद्यालयों एवं आंगनबाड़ियों में स्वच्छता के प्रति बच्चों को जागरूक करने हेतु विशेष प्रयास करने का निर्देश दिया।

स्कूल सेनेटाइजेशन व हाईजीन एडुकेशन के तहत बच्चों की व्यक्तिगत स्वच्छता तथा विद्यालय परिसर की स्वच्छता पर बल देते हुए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि विद्यालयों में बच्चों के स्वच्छता का आकलन किया जाए एवं उन्हें स्वच्छ रहने हेतु निरंतर प्रेरित किया जाए। साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति को और अधिक सशक्त बनाने का निर्देश देते हुए कहा गया कि सप्ताह में एक बार स्वच्छता के मानकों पर विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को जागरूक करना सुनिश्चित किया जाए।

इस बैठक में जिला पंचायती राज पदाधिकारी, सिविल सर्जन, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जिला समन्वयक, एई, जेई, जल सहिया समेत अन्य उपस्थित थे।

सदर अस्पताल में मरीज की मौत परिजनों ने किया हंगामा-तोड़फोड़

संवाददाता

रांची: सदर अस्पताल में इलाज के दौरान एक महिला मरीज की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा खड़ा कर दिया। परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाया। स्थिति बिगड़ते देख अस्पताल प्रबंधन को पुलिस बुलानी पड़ी। पुलिस की पहल पर परिजन शांत हुए और शव को घर ले गये।

हिंदपीढ़ी निवासी 45 वर्षीय अमीना खातून को पिछले सप्ताह घबराहट और बेचैनी की शिकायत पर अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों के अनुसार, मरीज के पेट में पानी भर गया था। सोमवार को कार्डियक विशेषज्ञ डॉ राजेश झा की निगरानी में उनका इको टेस्ट भी किया गया था, लेकिन मंगलवार को अमीना खातून की मौत हो गयी। इसकी जानकारी मिलते ही परिजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे और जमकर हंगामा करने लगे। गुस्साए परिजनों ने चिकित्सा कर्मियों व सुरक्षाकर्मी से नोकझोंक और हाथापाई तक की। वहीं, अस्पताल परिसर में डस्टबिन व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में तोड़फोड़ कर दी। हालात बेकाबू होते देख अस्पताल प्रबंधन ने लोअर बाजार थाना को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक का पोस्टमार्टम कराने की बात कही, लेकिन परिजन इसके लिए तैयार नहीं हुए। पुलिस के काफी समझाने-बुझाने के बाद परिजन शांत हुए और शव अपने साथ ले गये। परिजनों का आरोप है कि मरीज की सही देखरेख नहीं हुई। उनका कहना था कि अगर डॉक्टरों ने गंभीरता दिखायी होती, तो अमीना की जान बचायी जा सकती थी। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल की सुविधाओं पर भरोसा कर ही मरीज को यहां लाया गया था, लेकिन अपेक्षा के विपरीत देखभाल नहीं हुई।

सेवानिवृत न्यायाधीश नवनीत कुमार बने झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष

मेट्रो रेज

रांची: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज राज भवन के दरबार हॉल में आयोजित विशेष समारोह में न्यायमूर्ति नवनीत कुमार (झारखंड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश) को झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने शपथ ग्रहण के उपरांत झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उक्त अवसर पर अन्य वरीय अधिकारीगण एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

रेल सुरक्षा बल रांची व फ्लाइंग टीम का ऑपरेशन सतर्क

शराब की बोतलों के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

मेट्रो रेज

रांची: कमांडेंट पवन कुमार के निदेर्शानुसार आरपीएफ लगातार सतर्कता से ड्यूटी का निर्वहन कर रही है। इसी क्रम में पोस्ट कमांडर/आरपीएफ रांची के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट रांची एवं फ्लाइंग टीम द्वारा टाटीसिलवे रेलवे स्टेशन पर अवैध सामान तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध गहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 01, फुटओवरब्रिज के पास तीन व्यक्तियों को संदिग्ध अवस्था में भारी-भरकम दो ट्रॉली बैग एवं एक पिट्ठू बैग के साथ खड़े पाया गया। पूछताछ करने पर उनके बैगों में शराब की बोतलें पाई गईं। इनकी पहचान अंकित कुमार, उम्र 19 वर्ष, पिता- मेघनाथ बेड़िया, निवासी- सोनदा, थाना- भुरकुंडा, जिला- रामगढ़, सुजीत कुमार गोस्वामी, उम्र 24 वर्ष, पिता- योगेंद्र गोस्वामी, निवासी- पडरिया, थाना- गीदी, जिला- रामगढ़,

राजकुमार बेड़िया, उम्र 26 वर्ष, पिता- लाका बेड़िया, निवासी- पडरिया, थाना- गीदी, जिला- रामगढ़। तलाशी के दौरान कुल बरामदगी , 63 बोतल, कुल मूल्य 32,700/-, पूछताछ में तीनों ने बताया कि वे ट्रेन संख्या 15027 एक्सप्रेस से बिहार जाकर इन शराब की बोतलों को ऊँचे दाम पर बेचने की योजना बना रहे थे। बरामद की गई शराब को फ्लाइंग टीम के एएसआई अनिल कुमार ने मौके पर मौजूद गवाहों की उपस्थिति में जब्त किया। इसके बाद तीनों व्यक्तियों को जब्त शराब सहित आरपीएफ पोस्ट रांची लाया गया और 26 अगस्त को आगे की कार्रवाई हेतु आबकारी विभाग, रांची को सुपुर्द किया।

इस अभियान में अधिकारी एवं स्टाफ आईपीएफ शिशुपाल कुमार, एसआई सूरज पांडेय, एसआई सोहन, एएसआई अनिल कुमार, आरके। सिंह, डी प्रसाद, कांस्टेबल वीएल। मीणा, कांस्टेबल प्रदीप कुमार शामिल थे।

पूर्व मंत्री ने पिता ऋषिकेश महतो की 91वीं जयंती मनायी

पिता से मिले संस्कार हमारी ताकत व संबलः मथुरा महतो

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक पूर्व मंत्री मथुरा प्रसाद महतो ने आज अपने पिता ऋषिकेश महतो की 91वीं जयंती मनायी। दीनदयाल नगर स्थित आवास पर आयोजित इस जयंती समारोह में सबसे पहले उन्होंने अपने पिता के चित्र पर श्रद्धा के फूल अर्पित किया और शीश झुकाकर नमन किया। तत्पश्चात जयंती समारोह में उन्होंने कहा कि पिताजी भले ही हमारे बीच नहीं है मगर उनके दिए गए संस्कार हमारी ताकत व संबल है। आज बतौर विधायक टुंडी विधानसभा सहित राज्य भर के लोगों की सेवा अपने पिताजी से मिले सद्गुणों व अच्छे आचरण की वजह कर रहा हूं। पिताजी

हमेशा अन्याय के खिलाफ व सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ रहते थे। पिताजी से मिली प्रेरणा के दम पर हमारा सामाजिक सरोकार भी बना हुआ है। इस अवसर पर मनोज महतो, मदन महतो, दिनेश महतो, दिवाकर महतो, सुमित महतो विकास महतो, अर्जुन महतो ,राजेश महतो और ऋतिक महतो सहित कई लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

बंगाल की खाड़ी में बना साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम, 30-31 अगस्त को राज्यभर में अलर्ट

रांची: मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के मुताबिक, वर्तमान में राज्य के पश्चिमी हिस्से में एक लो प्रेशर एरिया सक्रिय है, जो धीरे-धीरे कमजोर होगा। लेकिन बंगाल की खाड़ी में दो दिनों के भीतर एक और नया लो प्रेशर सिस्टम बनने जा रहा है, जिसका असर झारखंड पर दिखाई देगा। इससे कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

26 अगस्त के लिए येलो अलर्टः मौसम विभाग ने 26 अगस्त को भारी बारिश की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। यह अलर्ट रांची, गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम के लिए जारी किया गया है।

श्री गणेश-लक्ष्मी मंदिर के 35वें वार्षिकोत्सव सह गणेशोत्सव का शुभारंभ कल से

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी के सुखदेवनगर थाना अंतर्गत खादगढ़ा (जयप्रकाश नगर) स्थित श्री गणेश लक्ष्मी मंदिर में 35वां वार्षिकोत्सव सह गणेशोत्सव का शुभारंभ 27अगस्त को होगा।

समिति की संयोजक रानी कुमारी ने बताया कि पहले दिन बुधवार को मंगलाचरण के साथ कलश स्थापना की जाएगी। नौ दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान तीन सितंबर को गणपति का नगर भ्रमण कार्यक्रम, पांच सितंबर को महाआरती और महाभोग वितरण कार्यक्रम के साथ भजन-कीर्तन जागरण, छह सितंबर को हवन पूजन-अनुष्ठान एवं कलश विसर्जन के साथ गणेशोत्सव का भव्य समापन किया जाएगा।

पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन गणेश भगवान व माता लक्ष्मी की प्रतिमा का भव्य श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर परिसर की आकर्षक साज सज्जा की गई है। समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं को गणेशोत्सव में शामिल होने का अनुरोध किया गया है।

नौ दिवसीय गणेशोत्सव के सफल आयोजन को लेकर मंगलवार को समिति की बैठक रानी कुमारी की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में ऋषि तिवारी, विजय कुमार, अरुण कुमार सिंह, धर्मेंद्र सिंह, बंटी बाबू, शिवनंदन पाठक, वशिष्ठ उपाध्याय, विपुल तिवारी, गौरव गोस्वामी, अनुप उपाध्याय, मनोज कुमार, विवेक रजक सहित अन्य उपस्थित थे।

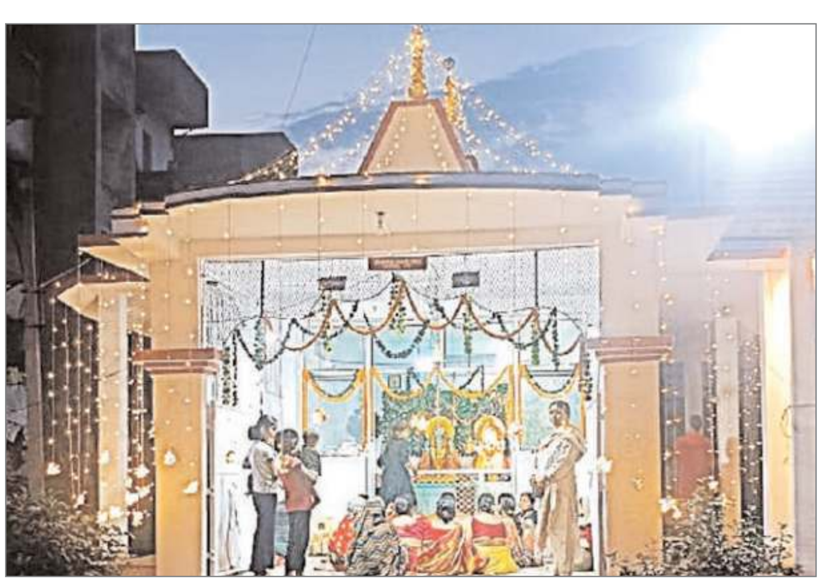

Government of Jharkhand
Drinking Water & Sanitation Division, Ramgarh
Email Id:- eedwsd.ramgarh@gmail.com

Very Short Tender Notice (3rd call)

Tender Reference No.–DWSD/RGH-12/2025-26 Date-25.08.2025

Sl. No.	Name of Work (Funded by DMFT)	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of BOQ	Time of Completion
1.	Construction of 200 x165mm dia x 180mtr depth High Yield Drilled Tube well with installation of IM-II extra deep hand pump, lowering 32mm G.I. pipe with platform & Drain with Submersible Motor pump at Near Santosh Yadav , Budh Bazar Imligach Block Patratu under D.W & S. Division, Ramgarh for the year 2025-26	4,19,417.00	8,400.00	750.00	1 Month
a	Date of Publication Tender	26.08.2025 upto 11:00 A.M.			
b	Date & Time for Sale of Tender Doc.	26.08.2025/11:00 A.M. to 02.09.2025 upto 02:00 PM			
c	Last date /Time for receipt Earnest Money & Cost of BOQ & Tender Doc. (Hard Copy)	02.09.2025/ upto 04:00 PM			
d	Place for receiving tender fee & EMD (Hard Copy)	Office of the Executive Engineer, D.W. & S. Division, Ramgarh.			
e	Date of Opening of Tender	06.09.2025/ 11:00 AM			
f	Place of Opening Tender	Office of the Executive Engineer, D.W. & S. Division, Ramgarh.			
g	Name & Address of Tender inviting Authority	Executive Engineer, D.W. & S. Division, Ramgarh			
h	Contact No. of Procurement Office	06553-223193			

विस्तृत जानकारी प्रमंडलीय कार्यालय के सूचना पट्ट / प्रमंडलीय कार्यालय अथवा वेबसाइट dwsd.jharkhand.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

–:: जल ही जीवन है ::–

(ई० सुरेन्द्र कुमार दिनकर)
कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रामगढ़

PR 360422 Drinking Water and Sanitation(25-26)#D

टीएवीआई से 80 वर्षीय महिला को मिला जीवनदान

मेट्रो रेज

रांची/कोलकाता: बीएम बिड़ला हार्ट हॉस्पिटल, कोलकाता में टीएवीआई प्रमुख डॉ। जॉय शोम के नेतृत्व में चिकित्स्कों की एक टीम द्वारा किये गए सफल चिकित्सीय प्रयास से एक उच्च-जोखिम वाले वाल्व-इन-वाल्व टीएवीआई ने एक 80 वर्षीय महिला को वापस जीवनदान दिया । 79 वर्षीया महिला का मेडिकल इतिहास में एक अहम सुराग छिपा था। 2013 में, बेंगलुरु में बायोप्रोस्थेटिक (ऊतक) वाल्व के साथ उनकी महाधमनी वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी हुई थी। ऊतक वाल्व उम्र बढ़ने के साथ खराब होते हैं; जब वे खराब हो जाते हैं, तो हृदय तेजी से काम करना बंद कर सकता है। स्थानीय डॉक्टरों को यही संदेह था। इकोकार्डियोग्राम से पता चला कि पुराना वाल्व खराब हो गया था, जिससे उन्हें हार्ट फेलियर की स्थिति में धकेल दिया गया। 79 साल की उम्र में, दोबारा ओपन-हार्ट सर्जरी कराना बेहद

जोखिम भरा था। परिवार को टीएवीआई (ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन) करवाने की सलाह दी गई–यह एक न्यूनतम इनवेसिव वाल्व-इन-वाल्व प्रक्रिया है जो खराब हो रहे ऊतक वाल्व के अंदर लगाई जा सकती है।

संक्रमण ठीक होने के बावजूद, टीएवीआई ने स्वयं असामान्य तकनीकी बाधाएँ खड़ी कीं। पहले किया गया सर्जिकल वाल्व छोटा था, जिसका मतलब है कि हमें एक उपयुक्त आकार का ट्रांसकैथेटर वाल्व लगाने के लिए संभवतः उसकी रिंग को तोड़ना होगा। उसके पैरों की धमनियों में गंभीर परिधीय संवहनी रोग था–दाहिनी धमनी अनुपयोगी थी, बाईं धमनी तंग और टेढ़ी थी। उसकी कोरोनरी धमनियाँ नीचे की ओर थीं, जिससे नए वाल्व द्वारा अवरुद्ध होने का खतरा बढ़ गया था। ये सभी समस्याएँ एक नियमित टीएवीआई को असंभव बना सकती हैं। वाल्व बॉक्स खोलने से पहले ही योजना में हर जोखिम से बचाव करना था।

कैथ लैब के अंदर, कोरियोग्राफी सावधानीपूर्वक की गई। पैर की धमनियों का आकलन और विशेष तारों से सुरक्षा करने के बाद, बाईं ओर संवहनी पहुँच सुनिश्चित की गई। कोरोनरी धमनियों को एक तार और एक तैयार स्टेंट से सुरक्षित किया गया था–अचानक रुकावट से बचाव के लिए। छोटी सर्जिकल रिंग को जानबूझकर फ्रैक्चर किया गया ताकि सबसे बड़ा सुरक्षित वाल्व-इन-वाल्व स्थापित हो सके। उसके बाद ही टीम आगे बढ़ी और ट्रांसकैथेटर वाल्व स्थापित किया। नया वाल्व ठीक से बैठ गया। ढाल कम हो गई। कमरे में साँस फूल गई।

बाकी कहानी रिकवरी ने बताई। वह लैब से आईसीयू के लिए निकलीं, तब भी उनकी हालत नाजुक थी, लेकिन आखिरकार उनकी हालत ठीक हो गई। कुछ ही दिनों में डायलिसिस बंद कर दिया गया। डिस्चार्ज होने से उनके गुर्दे लगभग सामान्य हो गए। लिवर का कार्य, जो पहले धीमा था, दो हफ़्ते बाद ठीक हो गया। टीएवीआई से पहले, वाल्व के खराब होने से उनके हृदय का पंप कमजोर हो गया था; घर जाने के दस दिन बाद, उनके इकोकार्डियोग्राम ने सामान्य कार्य करना शुरू कर दिया। वह फिर से चलने लगी हैं। अब वह 80 वर्ष की हैं ।

राँची समाहरणालय, राँची।
(जिला समाज कल्याण शाखा)
इच्छा की अभिव्यक्ति।

सरकार के अवर सचिव, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड राँची के पत्रांक 2339, दिनांक 08.12.2021 तथा पत्रांक 746, दिनांक 25.03.2022 के निर्देशानुसार राँची जिलान्तर्गत हॉफ वे होम का संचालन स्वस्थ्य हो चुके मानसिक दिव्यांगजनों के लिए किया जाना है। हॉफ वे होम का संचालन किए जाने हेतु सभी गैर सरकारी संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं। हॉफ वे होम के संचालन के लिए पूर्व में सूचना का प्रकाशन किया गया था। पुनः हॉफ वे होम का संचालन हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने के लिए सूचना प्रकाशित की जा रही है।

इच्छुक स्वंयसेवी संस्था अपना प्रस्ताव दिनांक 09.09.2025 को अपराह्न 12:00 बजे तक वांछित दस्तावेजों के साथ जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में उपलब्ध करा सकते हैं। प्राप्त प्रस्ताव को दिनांक 09.09.2025 को अपराह्न 03:00 बजे खोला जाएगा।

प्रस्ताव की शर्त्त जिला के NIC Website-WWW.ranchi.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह० /–
उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी,
राँची।

PR 360366 Social Welfare,Women and Child Development(25-26)D

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

दहेज हत्याएं कब तक?

उप्र के ग्रेटर नोएडा के एक गांव में 26 वर्षीय ब्याहता महिला को, उसके 6 साला बेटे के सामने, जला कर मार दिया गया। यह दहेज-हत्या ही है। हम बार-बार हैरान होते हैं कि जिसे अपना जीवन-साथी बनाया हो, अग्नि को साक्षी मान कर फेरे लिए और सात कसमें खाई हों, उसे ही आग की लपटों के हवाले करने की बर्बरता कैसे की होगी? कोई राक्षस ही ऐसा पाशविक अपराध कर सकता है। एक बेटी मां-बाप का घर परित्याग कर एक अपरिचित घर में जाती है। उस घर का चिराग बनकर, उस घर का चिराग प्रज्वलित करने जाती है। उसी का उत्पीड़न किया जाता है और अंततः उसे ही जला कर मार दिया जाता है। दहेज का लालच दानव बन जाता है। यह कैसी नियति है, प्रभु? बेटी बाबुल के घर को अलविदा कहती है, लेकिन यह कैसी सामाजिक और सड़ियल व्यवस्था है, जो बेटी को ही जलने, कटने और अंततः मरने को छोड़ देती है? ग्रेटर नोएडा की बेटी निक्की अपने साथ खूब धन-धान्य लेकर ससुराल आई थी। इसे दहेज भी कह सकते हैं, लेकिन पति, सास आदि की 35 लाख रुपए की ललचाई मानसिकता ने, अंततः, बेटी को मौत तक पहुंचा दिया। हैरत इस पहलू पर भी होती है कि जब राक्षसों के घर में बेटी सुरक्षित नहीं थी, तो दूसरी बेटी भी उसी घर में क्यों ब्याही गई? बेटी के मां-बाप के फैसले पर सवाल ही नहीं उठते, बल्कि शंका भी होती है! हमें एक पत्रकार-मित्र की बेटी के रिश्ते का मामला याद आता है। ज़ब प्रस्तावित वर के मामा ने पहला सवाल किया था कि आपका बजट कितना है, तो बेटी के पापा ने पलटजवाब दिया था- क्या शादी बजट से की जानी है? हम औसत घर-परिवार वाले हैं। शादी वर-वधु के बीच होनी है। क्या गरीबों की बेटियों की शादी नहीं होती? मामाजी खामोश, निरुत्तर हो गए। निक्की के माता-पिता ने भी कड़ा रुख अख्तियार किया होता, तो शायद बेटी का रिश्ता किसी और परिवार में होता, लेकिन बेटी जिंदा और सुरक्षित रहती! राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रपटों के मुताबिक, दहेज-हत्याओं के क्रूर सच उप्र के अलावा, बिहार और हरियाणा के कई पॉकेट्स में भी हैं। वहां दहेज एक सामान्य चलन और परंपरा है। निक्की जैसी बेटियों की पहुंच किसी कानून, सरकारी या गैर-सरकारी संरक्षण तक नहीं है। बस बेटियों की शादी कर दी जाती है और उन्हें प्रताड़ना, हिंसा और मौत के लिए छोड़ दिया जाता है। कानून तो है, लेकिन ऐसा नहीं है, जो बेटियों को पूरी सुरक्षा दे सके। 2022 में दहेज-हत्या ट्रायल में सजा की दर 33 फीसदी थी, लेकिन दहेज से जुड़े सभी मामलों में, उस साल लंबित मामले 60,577 थे, सजा की दर मात्र 2 फीसदी रही। आखिर दहेज के कारण बेटियां कब तक मारी जाती रहेंगी? दहेज-हत्या के मामलों में साक्ष्य मिटा दिए जाते हैं, फोरेंसिक तोड़-मरोड़ दिए जाते हैं, ऐसी जांच अप्रशिक्षित सफाई कर्मचारी ही करते हैं, क्योंकि ऐसी शव-परीक्षा करने और चीर-फाड़ करने से डॉक्टर इंकार कर देते हैं। अंततः दहेज निषेध अधिनियम के तहत दुरुपयोग के जो आरोप लगाए जाते हैं, वे अंततः थकने लगते हैं और अपराधियों की स्थिति को पुख्ता करते हैं। नतीजतन दहेज-हत्या की शिकार बेटी को इंसाफ या तो मिलता नहीं अथवा बहुत देर से मिलता है। जरा सोचिए, निक्की वाले मामले में जो प्राथमिकी दर्ज की गई है, उसमें दहेज निषेध कानून की धारा 80 बीएनएस को लागू ही नहीं किया गया है। अन्याय की शुरूआत बुनियाद से ही होती है। क्या हमारी व्यवस्था ही नारी जाति से द्वेष करती है? अथवा पुलिस की मिलीभगत होती है? ईमानदारी से कम कोई और रास्ता नहीं है। ऐसे मामलों में कड़ी जांच की जाए और डॉक्टरों को जांच के लिए बाध्य किया जाए और यथाशीघ्र सजा सुनाई जाए।

छोटे प्रश्न का बड़ा दायरा

कभी जब कोई विधायक विधानसभा में आईने बना देता है, तो प्रदेश अपनी असली सूरत में खुद को देख लेता है। एक बहुत छोटा सा प्रश्न भी बड़ा हो सकता है बशर्ते इसमें झांकने का सबब बड़ा हो। ऐसे ही एक छोटे से प्रश्न के दायरे को शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने बड़ा कर दिया है। विधायक ने सांस्कृतिक समारोहों में स्थानीय कलाकारों की भागीदारी को सुनिश्चित कराने के इरादे से अपने सवाल को वार्षिक खेलों के आय-व्यय के ऑडिट से जोड़ा है। हालांकि जवाब भी आ गया, मगर जहां थे, वहीं रहेंगे की स्थिति में सांस्कृतिक समारोहों की दौलत में हिमाचली कलाकार का वजूद टंगा रहेगा। होना तो यह चाहिए कि हिमाचली कलाओं के संरक्षण में कलाकार को रोजगार का आश्वासन मिले। हिमाचल में अगर कोई व्यक्ति बीएड, इंजीनियरिंग या एमबीए के पाठ्यक्रम के बजाय प्रदेश के गीत-संगीत के जरिए स्वरोजगार हासिल करना चाहता है, तो हमारी नीति क्या है। जाहिर तौर पर प्रदेश भर में यूं तो हर गांव से कोई न कोई मेला या सांस्कृतिक-धार्मिक समारोह जुड़ा है, फिर भी दर्जनों बड़े समारोह या मेले खास महत्त्व रखते हैं। एक तरह से ये समारोह सांस्कृतिक निवेश हैं, जहां हिमाचली कलाकार को रोजगार मिल सकता है। जरूरत है स्पष्ट नीति और मेला एवं समारोह प्रबंधन की। विधानसभा को बताया गया कि सरकारी तौर पर सांस्कृतिक समारोह के लिए 4366090 रुपए आबंटित हुए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हुआ कि किस मेले पर कुल कितना खर्च हुआ या पूरे प्रदेश के मशहूर व चर्चित मेलों के आयोजन के आय-व्यय का हिसाब क्या है। यह बताना असंभव भी नहीं है क्योंकि अब कमाई के स्रोत के रूप में प्लाटों की बिक्री और व्यापारिक मेलों की संगत में पलते उद्देश्यों में निखार आया है, लेकिन वित्तीय प्रबंधन की दृष्टि से हर समारोह अपने गीत गा रहा है और बिना किसी परिपाटी के सुर से सुर मिला रहा है। ऐसे मेले कमोबेश प्रशासनिक और राजनीतिक मर्जी के गुलाम हो गए हैं, जहां नेताओं की पगड़ियों के हिसाब से रौनक घट या बढ़ रही है और इसी तरह सांस्कृतिक समारोहों का स्तर भी सियासी औलाद की तरह प्रश्रय पाने लगा है। यही वजह है कि सांस्कृतिक संध्याओं के नाम वजनी लिफाफे कुछ ऐसे कलाकारों पर न्योछावर होते हैं, जिनका संबंध हिमाचल से नहीं होता। पिछले साल एक मशहूर पंजाबी सिंगर की गलियों में हिमाचल के कई आयोजन चले तो श्रोता भी इन समारोहों की हैसियत का अनुमान लगाते आश्चर्य चकित होते रहे, लेकिन गरीब, बेसहारा और कमजोर फलक पर तो हिमाचली कलाकार को ही रहना पड़ा। ऐसे में मुख्य बिंदु विधायक के छोटे से प्रश्न से शुरू होकर सांस्कृतिक समारोहों का पूर्ण कायाकल्प चाहता है। ये तमाम मेले और समारोह आज अगर इसी व्यवस्था में कम से कम पचास करोड़ के आय-व्यय का हिसाब भी पैदा करते हों, तो इन्हें सौ करोड़ तक पहुंचाने की रूपरेखा इस दृष्टि से बनानी होगी ताकि ये हिमाचल के मनोरंजन उद्योग को बढ़ावा दें। मेलों के बीच सांस्कृतिक आयोजन तो एक विशिष्टता और प्रमाणिकता हो सकते हैं, लेकिन इनके साथ व्यापारिक व खेल गतिविधियां भी जुड़ती हैं। छिंजों के आयोजन में समाज का वित्तीय योगदान, प्रशासन की भूमिका और मनोरंजन की मांग पर कलाकारों का रोजगार पनप रहा है। इसी के साथ अब ट्रेड बाजारों की व्यापकता में केवल पारंपरिक नहीं बल्कि नए व्यवसाय को नागरिक क्षमता से भी जोड़ रहे हैं। मेलों के प्लाट अब करोड़ों की आय के स्रोत बन रहे हैं, तो पूरे प्रदेश की मेला ट्रैफिक, आय-व्यय और कलाकारों के रोजगार को जोड़ते हुए एक राज्य स्तरीय व्यवस्था करनी पड़ेगी।

बेलगाम जानवर, मजबूर इनसान

> भारतीय सेना में कुत्तों की भी प्लाटून तथा अलग यूनिट होती है। इन्हें मिलिट्री डॉग यूनिट्स या डॉग स्क्वायड भी कहा जाता है। ये कुत्ते सेना के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हुए विस्फोटक पदार्थों, ड्रग्स, नशीली दवाओं तथा मादक पदार्थों का गश्त तथा खोज कर पता लगाते हैं। कुत्ते विभिन्न सरकारी विभागों विशेषकर पुलिस और सेना में विभिन्न कार्यों के लिए प्रशिक्षित किए जाते हैं, उन्हें के-9 यूनिट का हिस्सा माना जाता है। कुत्ते युद्ध क्षेत्रों, सीमा क्षेत्रों, संदिग्धों को पकड़ने, अपराध स्थलों की जांच करने तथा अवैध तस्करी आदि को खोजने में एजेंसियों की मदद करते हैं।

प्रो. सुरेश शर्मा

इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि मनुष्य के साथ-साथ जल, थल तथा नभ में जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों, पालतू जानवरों का सृष्टि में अपना महत्व है। वैसे जानवरों की दुनिया में कुत्ता समाज का भी अपना स्थान है। उनके रुतबे के अनुसार उनकी भी बहुत सी श्रेणियां हैं। कुत्ता दुनियाभर के जानवर समाज में एक बड़ा जानवर समूह है। यह कुत्ता समाज सेना से लेकर पुलिस तथा अन्य खुफिया एजेंसियों में अपनी सेवाएं प्रदान करता है। भारतीय सेना में कुत्तों की भी प्लाटून तथा अलग यूनिट होती है। इन्हें मिलिट्री डॉग यूनिट्स या डॉग स्क्वायड भी कहा जाता है। ये कुत्ते सेना के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हुए विस्फोटक पदार्थों, ड्रग्स, नशीली दवाओं तथा मादक पदार्थों का गश्त तथा खोज कर पता लगाते हैं। कुत्ते विभिन्न सरकारी विभागों विशेषकर पुलिस और सेना में विभिन्न कार्यों के लिए प्रशिक्षित किए जाते हैं, उन्हें के-9 यूनिट का हिस्सा माना जाता है। कुत्ते युद्ध क्षेत्रों, सीमा क्षेत्रों, संदिग्धों को पकड़ने, अपराध स्थलों की जांच करने तथा अवैध तस्करी आदि को खोजने में एजेंसियों की मदद करते हैं। ये कुत्ते अपनी सूंघने की शक्ति का उपयोग करके विस्फोटक बारूदी सुरंगों तथा अन्य खतरनाक पदार्थों से नागरिकों की सुरक्षा करते हैं।

इन कुत्तों को सेवा काल में उनके विशिष्ट कार्यों के तथा वीरता के लिए विशेष सम्मान तथा अलंकरण से सम्मानित किया जाता है। इसके अलावा कुत्ता प्रेमियों के घरों में इन्हें रहने के लिए विशेष आवास, विशेष गाड़ी, विशेष नौकर, विशेष डाक्टर तथा विशेष आहार तथा इनके खेलने के लिए खिलौनों तक की व्यवस्था तक होती है। इन कुत्तों को शैंपू से नहलाने धुलाने, ड्रायर तथा कंघी करने की विशेष व्यवस्था होती है। खाने की व्यवस्था होती है। ये सब कार्य घर के बच्चों से बूढ़ों तक सब मिलजुल कर, कर लेते हैं। इनके खाने में दूध, मीट, अंडा तथा बिस्कुट बगैरा की विशेष व्यवस्था होती है। घरों में यह विशेष कुत्ता वर्ग ड्राइंग रूम से बैठक तक अलाउड होता है। अनेकों बार तो ये कुत्ते बैड में भी अपने मालिक के साथ रजाई में बैठे रहते हैं। मालिक के टूअर पर जाते समय बच्चों से लेकर बड़ों तक इन कुत्तों के आवश्यक सामान को ले जाने की व्यवस्था करते हैं। तीसरी प्रकार के कुत्ते सामान्य प्रकार के वर्ग में आते हैं। गांवों, खुली सडकों, संकरी तथा गंदी नालियों तथा गंदी बस्तियों के आसपास रहते हैं। इनका जीवन बहुत ही संघर्षपूर्ण है। अपना पेट पालने के लिए इनमें लड़ाई-झगड़ा तथा छीना-झपटी होती रहती है। पैदा होने से मरने तक इन कुत्तों पर लोगों द्वारा अत्याचार होते रहते हैं। कभी ये वाहनों के नीचे आ जाते हैं, कभी ईंट, पत्थर की चोट से घायल हो जाते हैं। ये वाकई कुत्ते की मौत मरते हैं। जीवन के संघर्ष, मानवीय उपेक्षा तथा अत्याचारों से ग्रसित ये कुत्ते आक्रोशित तथा चिड़चिड़े होते हैं, इसलिए ये घातक होकर इनसानों को काटने का काम भी करते हैं। ये अनेक बीमारियों का शिकार होते हैं। इनका कोई टीकाकरण नहीं होता। इनके लिए कोई कुत्ताशाला का प्रावधान नहीं होता। इनके प्रजनन पर व्यवस्थाओं तथा सरकारों का कोई कंट्रोल नहीं होता। इनकी नसबंदी नहीं हो पाती, इसलिए इनकी जनसंख्या भी बहुत अधिक होती है। कुछ पशु प्रेमी संगठन कभी-कभी इनके लिए भलाई का कार्य करते हुए मांस आदि के टुकड़े या हड्डियां डाल कर इनका टीकाकरण आदि करते देखे जाते हैं। ये उपेक्षित, अप्रशिक्षित तथा असंस्कारी कुत्ते उग्र रूप धारण करते राह चलते लोगों को काट डालते हैं। बहुत से मामलों में वृद्धों, स्कूल जाते बच्चों पर इनके अप्रत्याशित हमले गंभीर घटनाओं को अंजाम देते हैं। इस प्रकृति में मनुष्य एक मुख्य घटक है। पेड़-पौधे, जीव-जंतु, कीड़े-मकोड़ों की तुलना में श्रेष्ठ इसलिए है क्योंकि इन सभी की तुलना में वह अपार बुद्धि का स्वामी है। पशुओं के भी अपने अधिकार हैं। पशु संरक्षण नियम-2001 के अनुसार पालतू कुत्ते तथा किसी भी जानवर को डोरी तथा जंजीर से बहुत देर तक क्रूरता माना जाता है। बहुत से पशु प्रेमी लोग पशुओं पर क्रूरता के विरुद्ध कानूनों तथा उनके अधिकारों पर बात करते हैं। पशु क्रूरता अधिनियम-1960 पशुओं से क्रूरता के विरुद्ध है। दुर्भाग्य है कि बेकसूर घरेलू पालतू पशुओं, गाय तथा बैलों को लावारिस तथा आवारा कहा जाता है तथा ह्यकुत्ता प्रेमीह्न कुत्तों को आवारा कहने पर आक्रोशित हो जाते हैं। यहां पर पशु-प्रेमियों तथा कुत्ता प्रेमियों के लिए आवश्यक है कि पशुओं की सुरक्षा तथा अधिकारों के मामले में कोई भी भेदभाव नहीं होना चाहिए, फिर चाहे वह कुत्ता हो, सूअर, गाय, बैल, बकरा, भेड़, भैंस, बंदर या फिर मछली हो। कानून को अपनी सुविधानुसार लागू नहीं किया जा सकता। भारतीय दंड संहिता की धारा 428 तथा 429 में पशु क्रूरता पर सख्त सजा का प्रावधान है। पशु क्रूरता के लिए जहां ये कानून आवश्यक हैं, वहीं पर सरकारों, व्यवस्थाओं तथा अदालतों को मनुष्य की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक कदम उठाकर उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करना चाहिए। आज हर जगह गलियों, सडकों, गांवों, शहरों, गलियों में आवारा कुत्तों, लावारिस गायों, बैलों, बंदरों से हरेक मनुष्य आतंकित है। पशु हिंसक हो चुके हैं। उनकी सही व्यवस्था करना तथा नागरिकों की सुरक्षा करना भी तो सरकारों का काम है। जगह-जगह कुत्तों, बंदरों तथा बैल के आक्रमणों से अनेकों निर्दोष लोगों की मौत हो जाती है। आवारा कुत्तों पर नकेल कसने पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने पर कुत्ता प्रेमी विरोध पर उतर आते हैं। कुत्तों तथा बंदरों की कोई नसबंदी नहीं है, उनकी कोई गणना नहीं है तथा उनका टीकाकरण नहीं हो पाता। 11 अगस्त 2025 के अपने आदेश में न्यायमूर्ति पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की खंडपीठ के जल्द से जल्द कुत्तों को शहर के संवेदनशील इलाकों से उठाने के आदेश के बाद बड़े-बड़े कुत्ता प्रेमी देश के प्रधानमंत्री तथा उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को इस फैसले के खिलाफ पत्र लिखकर पुनर्विचार की मांग कर रहे हैं। कुत्ते यमदूत बन चुके हैं। देश की राजधानी में ही लगभग 10 लाख आवारा कुत्तों के होने का अनुमान है। कुत्तों के काटने से प्रत्येक वर्ष लगभग छह हजार लोग रेबीज के कारण मौत का शिकार हो जाते हैं। विचारणीय यह भी है कि बंदरों के आतंक से बचाव कैसे हो? लावारिस बैल तथा गायों की समस्या भी है। इन सभी समस्याओं का ठोस समाधान हो।

प्राकृतिक आपदा में अर्द्ध सैनिक बल

> गृह मंत्री ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत मार्च 2026 तक नक्सलवाद का समूल नाश कर दिया जाएगा। 2019 से 2025 तक के बीच 1025 नक्सली मारे गए हैं और 6983 गिरफ्तार हो चुके हैं। यह संख्या बताती है कि नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। गृह मंत्री के दृढ़ संकल्प से यह संभव हो रहा है और सरकार इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी से लेकर आर्थिक संसाधन में कोई कमी नहीं होने दे रही है। इसके साथ-साथ आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए भी कई कड़े कदम उठाए जा रहे हैं जो देखने में आ रहे हैं।

इस समय देश के हिमालयी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा आई हुई है। पहाड़ों में कहीं भूस्खलन तो कहीं बादल फटना। दर्जनों लोग काल कलवित हो गए हैं और हजारों मकान तथा दर्जनों बस्तियां दब गई हैं। हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड में प्रकृति का प्रकोप कुछ ज्यादा ही है। इन राज्यों में तुरंत राहत की व्यवस्था करना बेहद कठिन है, क्योंकि आपदा प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचना ही बेहद कठिन होता है। रास्ते कट जाते हैं, पहाड़ी नदियां उफन जाती हैं और आसपास से कोई मदद नहीं मिल पाती है। लेकिन अब जिस तरह से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल यानी एनडीआरएफ समर्पित भाव से उन इलाकों में राहत कार्य करने में जुटा हुआ है, उसे देखकर आशा की किरण जाग उठी है। इस बल का गठन ही प्राकृतिक आपदाओं और खतरनाक परिस्थितियों से निबटने के लिए किया गया था। पिछले पांच-छह वर्षों में इसने जबरदस्त तरीके से काम किया और लोगों में इतना विश्वास पैदा कर दिया कि अब विपदा आते ही इसे बुलाया जाता है और इसके जवान तुरंत आकर राहत कार्यों में लग जाते हैं। इनकी ट्रेनिंग ही ऐसी है कि ये कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी काम करते हैं। लेकिन उससे भी बड़ी बात है इनका समर्पण भाव। इस समय इनकी टुकडियों न केवल हिमाचल, उत्तराखंड में राहत कार्य में दिन-रात जुटी हुई हैं बल्कि बिहार की बाढ़ में भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इसने अब तक डेढ़ लाख लोगों की जान बचाई है और लाखों फंसे लोगों को निकाला है। गृह मंत्रालय ने इसे पूरी तरह से साजो-सामान से लैस कर दिया है जिससे राहत कार्यों में तेजी आ सके। मंत्रालय ने 2024-25 में एसडीआरएफ के लिए 20264 करोड़ रुपए आवंटित किए और एनडीआरएफ के लिए 5160 करोड़ रुपए आवंटित किए जो एक कीर्तिमान है और जिसके परिणाम देखने में आ रहे हैं। मार्च 2021 में एक नया अलर्ट सिस्टम जारी किया गया जिससे अब संगठन पहले ही खतरे की संभावना बता देता है जिससे लोग सावधान हो जाएं। इसका उदाहरण है कि इसने अब तक 631.1 करोड़ अलर्ट मैसेज भेजे हैं और बेशकीमती जिंदगियां बचाई हैं। इसका कार्य सिर्फ भारत ही नहीं था, बल्कि विदेशों में भी रहा। हमने देखा कि कैसे तुर्की में इसने समर्पित भाव से इनसानियत की रक्षा की। गृह मंत्रालय ने गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में न केवल एनडीआरएफ बल्कि सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, कोस्ट गार्ड को पूरी शक्तियां दीं, बल्कि संसाधन तथा पूरे कानूनी अधिकार भी दिए। इसके ठोस परिणाम साफ दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के छह साल पूरे कर लिए हैं और इस दौरान देश में अर्ध सैनिक बलों को बढ़ावा देकर कश्मीर में धारा 370 हटाने से लेकर नक्सलवाद के लगभग खात्मे तक का काम कर दिखाया। उनकी सफलता पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बधाइयां भी दीं। कश्मीर में सुरक्षा बलों की त्वरित और दीर्घकालीन कार्रवाई से 2019 से 2025 तक के बीच हिंसक घटनाओं में 2004-09 के बीच 86 फीसदी की कमी आई है। कश्मीर के अलावा मध्य तथा पूर्व भारत में नक्सली हिंसा पर लगाम तो लगी ही है, उनके बड़े लीडर या तो मारे गए हैं या समर्पण कर चुके हैं। गृह मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि 2009 से 2024 के बीच नक्सली हिंसा की वजह से होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी आई है। पिछले छह सालों में यह गिरकर 600 तक आ गई है, जबकि 2009 से 2014 तक 5225 थी। नक्सलियों के खिलाफ अर्ध सैनिक बलों का अभियान इस समय इतना जबरदस्त है कि देश के छह जिले ही अब नक्सल हिंसा से प्रभावित रह गए हैं। इसलिए ही गृह मंत्री ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत मार्च 2026 तक नक्सलवाद का समूल नाश कर दिया जाएगा। 2019 से 2025 तक के बीच 1025 नक्सली मारे गए हैं और 6983 गिरफ्तार हो चुके हैं। यह संख्या बताती है कि नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। गृह मंत्री के दृढ़ संकल्प से यह संभव हो रहा है और सरकार इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी से लेकर आर्थिक संसाधन में कोई कमी नहीं होने दे रही है। इसके साथ-साथ आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए भी कई कड़े कदम उठाए जा रहे हैं जो देखने में आ रहे हैं। इसके लिए एनआईए का दायरा बढ़ाया गया है और कानून भी सख्त किए गए हैं। पीएफआई, हुर्रियत जैसे संगठनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए गए हैं जिससे आतंक के मामलों में कमी आई है। लेकिन सिर्फ सख्ती या सुरक्षा बलों की ताकत से कई बार समस्याएं नहीं सुलझती हैं और इसलिए शाह ने गृह मंत्रालय को राज्यों के साथ मिलकर विकास तथा पुनर्वास की कई योजनाओं पर काम करने की व्यवस्था की जिसका बढ़िया परिणाम दिख रहा है। विकास एक ऐसा माध्यम है जिससे हिंसा तथा अराजकता पर अंकुश लगाया जा सकता है। इसे ही ध्यान में रखकर पूर्वोत्तर के राज्यों में कई योजनाएं बनाई गई हैं। वहां शांति प्रक्रिया के तहत छह वर्षों में 12 शांति समझौते हुए, जिसके कारण से स्थिति में अभूतपूर्व सुधार आया। वहां अफस्पा को तेजी से हटाया जा रहा है और दो राज्यों त्रिपुरा तथा मेघालय में यह पूरी तरह से हटा दिया गया है तथा अन्य राज्यों के थोड़े से हिस्से में ही यह लागू है। साइबर क्राइम देश के सामने एक चुनौती की तरह है और इसका मुकाबला आसान नहीं था, लेकिन गृह मंत्रालय को नोडल एजेंसी बनाकर इस दिशा में सख्त कार्रवाई हो रही है। इसके लिए इंडियन साइबर क्राइम कोऑरडिनेशन सेंटर (14 सी) बनाया गया है। यह साइबर क्राइम से निबटने के लिए आधुनिकतम टेक्नोलॉजी से लैस है और इसने इन अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है और अभी भी कर रहा है। साइबर क्राइम के अलावा देश में ड्रग के खतरों के खिलाफ कई कदम उठाए गए हैं जिनमें काफी सफलता मिली है। पड़ोसी देश पाकिस्तान से ड्रग की खेप न केवल पकड़ी जा रही है, बल्कि कुछ अन्य देशों की सीमाओं पर भी सख्ती की जा रही है। गृह मंत्रालय, रसायन मंत्रालय, औषधि मंत्रालय के साथ मिलकर इस दिशा में काम कर रहा है। इनमें सफलता भी मिल रही है। इस तरह अर्द्ध सैनिक बलों की भूमिका सराहनीय है।

राजयोगी ब्रह्माकुमार निकुंज जी

चिंतन-मनन

आशा और निराशा के क्षण मनुष्य के जीवन में रात और दिन की तरह आते-जाते रहते हैं। एक और जहां आशा जीवन में संजीवनी शक्ति का संचार करती है, वहीं दूसरी और निराशा मनुष्य को मृत्यु की ओर ले जाती है, क्योंकि निराश व्यक्ति हमेशा ही अपने जीवन से उदासीन और विरक्त रहता है। इसीलिए ही कहा जाता है कि निराशा ऐसी चीज है जो मनुष्य को आत्महत्या करने तक मजबूर कर देती है, जब कि मृत्यु के मुख में जाता हुआ व्यक्ति अपने आशावादी विचारों के बल पर फिर से जी उठता है। अतः मनुष्य के लिए यह जरूरी है कि वह खुद को निराशा नामक खतरनाक बीमारी से बचाकर रखे अन्यथा यह तन और मन दोनों को ही नष्ट कर देती है। कहते हैं कि जो निराश है, वह निर्जीव है और इसीलिए ही निराशा से घिरा हुआ मनुष्य संसार में बिना पंखो के पक्षी की तरह दयनीय एवं दुःख पूर्ण जीवन काटता है। अकसर हम यह तथ्य भूल जाते हैं कि संसार में ऐसा कोई व्यक्ति आज तक पैदा ही नहीं हुआ है जिसके जीवन में विपत्तियां और विफलताएं न आई हों। विफलताएं, मुसीबतें और असफलताएं तो सिर्फ यह जानने के लिए ही आती हैं कि व्यक्ति किस हद तक अपने भीतर साहस संजोए रख सकता है। जिन्होंने हर कठिनाई को एक चुनौती माना, उनके लिए इस संसार में कोई अवरोध है ही नहीं, मसलन छात्रों को आए दिन अध्यापक के पूछे प्रश्नों को हल करना ही पड़ता है, तभी तो उन्हें उत्तीर्ण होने की प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। अतः हमें यह समझना चाहिए कि अवरोध तो एक प्रकार का अध्यापक है जो हमारे भीतर छुपी हुई प्रतिभा को विकसित करने के लिए उत्तेजना प्रदान करता है और चिर स्मरणीय सफलता वरण कर सकने की क्षमता से हमें सुसंपन्न बनाता है। इसीलिए ही कहा जाता है कि जो व्यक्ति कठिनाई के दिनों में आशावादी रह सकता है, उसे संसार की कोई भी मुसीबत नीचे नहीं गिरा सकती। किंतु जो व्यक्ति रात्रि के अंधकार को ही शाश्वत मानकर बैठ जाता है और जिसे यह विश्वास ही नहीं कि कुछ समय के पश्चात अरुणोदय भी हो सकता है, उसे बौद्धिक दृष्टिकोण से नास्तिक कहा जाता है। स्मरण रहे! संसार चक्र किसी एक व्यक्ति की इच्छा के संकेतों पर गतिशील नहीं है, अपितु वह अपनी ही चाल चलता है और इसके अलग-अलग धागों के बीच व्यक्तियों का अपना एक निजी संसार होता है जिसमें गति के साथ-साथ आरोह-अवरोह भी अनिवार्य है एवं अवश्यंभावी है।

आपके पत्र

आशा जीवन की संजीवनी

ऑनलाइन गेमिंग बिल का औचित्य भारत में डिजिटल क्रांति के बाद से मोबाइल और इंटरनेट ने जिस तरह लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, उसमें ऑनलाइन गेमिंग का संसार सबसे अधिक आकर्षक और विवादित रहा है। स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच, तेज इंटरनेट और युवाओं के बीच डिजिटल प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता ने इस क्षेत्र को तेजी से विस्तार दिया है।

लेकिन जहां एक ओर ई-स्पोर्ट्स और कौशल-आधारित खेलों ने भारत को विश्व मानचित्र पर जगह दिलाई है, वहीं दूसरी ओर पैसे के दांव पर खेले जाने वाले खेल, बेटिंग ऐप्स और जुए जैसी प्रवृत्तियों ने समाज और सरकार दोनों को चिंतित किया है। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार ने हाल ही में ऑनलाइन गेमिंग बिल को मंजूरी दी है। यह बिल आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

आर शर्मा,, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

राजमहल ईसीएल इलाके के रहने वाले सूर्या हांसदा से वहां की जनता त्रस्त थी : सांसद

साहिबगंज : गोड्डा में सूर्या हांसदा के एनकाउंटर के मुद्दे पर कई नेताओं की बात समाने आयी है।बीजेपी नेताओं की तरफ से कई आरोप लगाए गए हैं।सवाल उठता है तो जांच भी होती है।सरकार सीआईडी या अन्य एजेंसी से जांच कराती है।उक्त बातें झामुमो के राजमहल सांसद विजय हांसदा ने सोमवार को स्थानीय परिसदन में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा की सूर्या हांसदा के रिकॉर्ड देखें तो साहिबगंज व गोड्डा जिला के कई थानों में कई जघन्य धाराओं में उनके ऊपर केस दर्ज हैं। राजमहल ईसीएल इलाके के रहने वाले सूर्या हांसदा से वहां की जनता त्रस्त थी। रिकॉर्ड निकाल कर देखें वहां की जनता और व्यवसायी को दबाव व एक्सटॉर्शन झेलना पड़ रहा था।श्री हांसदा ने कहा की भाजपा ने ऐसे व्यक्ति को टिकट देकर उपयुक्त प्लेटफार्म देने का काम किया है भाजपा चार्जशीटेड लोगों को टिकट देकर मंत्री व उप मुख्यमंत्री तक बना देती है।हाल में वोट चोरी का मुद्दा चल रहा है।संविधान कानून सिर्फ विपक्षी पार्टियों के लिए है।भाजपा इन सबसे इससे ऊपर उठ चुकी हैं।चाहे कोई गलती करे बीजेपी में है तो सही है। सरकार ऐसे नहीं चलती।सांसद ने कहा कि भाजपा जांच की बात कर रही है। विभाग है तो इस मुद्दे की जांच होगी। इस मामले में व्यवसायी और जनता से भी बयान लेना चाहिए।सरकार का कदम शांति व्यवस्था व लोगों की भलाई के लिए उठता है।अभी वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा चला है।ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार विपक्ष के सवालों से बैक फुट पर रही।उन्होंने कहां की केंद्र में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी ने तथ्य के साथ मुद्दा रखा।एसआईआर केंद्रीय एजेंसियों को छोड़ केंद्र सरकार का एक और हथकंडा है।जिससे वो जनप्रतिनिधियों के खिलाफ उठाना रही है।राष्ट्रीय स्तर पर एसआईआर किसी सत्ता का सबसे बड़ा अपराध है।बीजेपी आरएसएस की जड़ में भ्रष्टाचार है.बिहार की जनता समझ चुकी है।जनता जो मान ले वही सबकुछ है।जनता किसी के बोलने से ऊपर है।सांसद ने कहा कि देश के संविधान बचाने में विपक्ष आगे रहेगा।एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पैर में चोट के बावजूद डॉक्टर की डेढ़ महीना रेस्ट की सलाह छोड़ अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।बाढ़ में राहत के लिए लगातार डीसी से लेकर प्रखंड पदाधिकारी से बातचीत कर उन्हें निर्देशित किया।अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटने वाला।सभी व्यवस्था की जा रही है।बाढ़ राहत का निरंतर कार्य किया जा रहा है।नुकसान की भरपाई की जाएगी।संजीदगी से सरकार व प्रशासन काम करेगी।ऐसी परिस्थिति में दी जाने वाली हर राहत कम होगी।सरकार बाढ़ के बाद की भी तैयारी कर रही है।मौके पर झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह,केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला उपाध्यक्ष संजीव सामु हेंब्रम,सुरेंद्र यादव,संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्र सहित अन्य मौजूद थे।

भूमि अधिग्रहण से संबंधित सभी भुगतान लाभुकों को नियमानुसार किया जाए : उपायुक्त

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में सोमवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में भू-अर्जन, पथ निर्माण, एनएचआई एवं रेलवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा ने कार्यरत एजेंसियों से विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि भूमि अधिग्रहण से संबंधित सभी भुगतान लाभुकों को नियमानुसार व शीघ्र अति शीघ्र किया जाए तथा किसी भी लाभुक का भुगतान लंबित न रखा जाए।

सड़क संबंधी कार्यों की चर्चा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सड़कों पर मौजूद छोटे-छोटे गड्ढों की तत्काल मरम्मती सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने टावर चौक पर जेब्रा क्रॉसिंग का निर्माण कराने का निर्देश भी दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना की प्रगति तथा रेलवे परियोजनाओं के तहत जिले में हो रहे कार्यों की जानकारी भी ली।

बाल गृह का निर्माण गुणवत्तापूर्ण और समय पर होना चाहिए : उपायुक्त

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती ने आज निमार्णाधीन बाल गृह भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन निर्माण की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा यह सुनिश्चित किया कि भवन का निर्माण कार्य वैधानिक मानकों और निर्धारित नॉर्म्स के अनुरूप ही हो। उपायुक्त ने कार्यस्थल पर मौजूद अभियंताओं एवं संवेदकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि बाल गृह का निर्माण गुणवत्तापूर्ण और समय पर होना चाहिए, ताकि इसका लाभ शीघ्र ही बच्चों को मिल सके।उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि भवन की संरचना में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए, जिससे भविष्य में बच्चों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उपायुक्त ने कार्य की गति को तेज करने और कार्यस्थल की नियमित निगरानी पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

डीसी ने किया तारामंडल भवन का निरीक्षण

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सोमवार को दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज के पास बन रहे तारा मंडल भवन का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि तारा मंडल के भवन निर्माण का कार्य पूर्ण है।इस दौरान उन्होंने शेष बचे जरूरी कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निदेश संबंधित अधिकारी को दिया।इस दौरान कोई भी वर्कर या अन्य कोई व्यक्ति नहीं पाया गया साथ ही कार्य में काफी धीमी प्रगति पायी गयी जिसपर उपायुक्त श्री सिन्हा ने नाराजगी व्यक्त की।उपायुक्त द्वारा उक्त स्थिति से निदेशक तकनीकी शिक्षा को अवगत कराने का निदेश दिया गया।कहा कि संबंधित एजेंसी अगर कार्य पूर्ण नहीं करती है तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की अनुशंसा की जायेगी।

इसके उपरांत उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने निर्माणधीन साइंस सेंटर का निरीक्षण किया।उक्त कार्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है।इस कार्य हेतु एग्रीमेंट अमाउंट 9.04 करोड़ रुपये है एवं कार्य पूर्ण का समय मई 2026 निर्धारित है।मुख्य भवन का निर्माण 16,887 स्क्वायर फीट में किया जाएगा।साथ ही इस निर्माणधीन साइंस सेंटर में ओपन एयर थिएटर, चिल्ड्रेन पार्क भी उपलब्ध होगा।पूरा कैंपस सीसीटीवी कैमरे से लैस होगा।साथ ही सुरक्षा के दृष्टिकोण से अग्निशमन यंत्र भी लगाए जाएंगे।

इसके उपरांत उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया।इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों से उन्होंने बात की एवं उनकी समस्याओं को जाना।इस दौरान उपस्थित लोगों ने बताया कि आधार से संबंधित समस्या के लिए आये हैं।उपायुक्त ने आधार ऑपरेटर प्रीतम कुमार को 2 दिनों के अंदर समस्याओं के निराकरण का निदेश दिया।साथ ही अब तक आधार से संबंधित समस्याओं का निराकरण नहीं होने को लेकर स्पष्टीकरण निर्गत करने का निदेश दिया गया।

अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा शिकायत किया गया कि राज कुमार दास एवं श्याम लाल सोरेन दोनों के द्वारा खजाना रशीद नहीं काटा जा रहा है।उक्त संबंध में उपायुक्त ने दोनों के वेतन निकासी पर रोक लगाने एवं अविलंब समस्या का समाधान करने का निदेश दिया।

इस दौरान उपायुक्त ने प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कर्मियों के उपस्थिति पंजी की भी जांच की।जांच के दौरान बीपीआरओ लखन सोरेन अनुपस्थित पाए गए।उपायुक्त ने उक्त को स्पष्टीकरण निर्गत करने का निदेश दिया।साथ ही अंचल कार्यालय के प्रधान लिपिक को प्रतिवेदन लंबित रखने के कारण स्पष्टीकरण किया गया।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि कोई भी प्रतिवेदन बेवजह लंबित नही रखें।जाति,निवासी,आय से संबंधित प्रमाण पत्र नियमानुसार ढंग से जल्द से जल्द निर्गत किये जायें।लोगों को कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े इसका विशेष ध्यान रखें।उन्होंने कहा कि कार्यालय भू माफिया का अड्डा नहीं बने इसका ध्यान रखा जाए।जो भी कर्मचारी लंबे समय से एक ही क्षेत्र में हैं उनके क्षेत्र को बदलने का निदेश उपायुक्त द्वारा दिया गया।

बैंक मित्र फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महाधिवेशन में बैंक मित्रों ने किया प्रदर्शन

बिचौलिया कंपनियों की व्यवस्था समाप्त करने की मांग

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : बैंक मित्र फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महाधिवेशन में के सम्पन्न के बाद विभिन्न मांगों के आलोक में कोडरमा जिला मुख्यालय के समक्ष विशाल प्रदर्शन का आयोजन किया गया। बैंक मित्रों के द्वारा मांगो के आलोक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि मानदेय का भुगतान वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रति माह ₹5,000 मानदेय की घोषणा की गई थी। इस घोषणा पर हम सभी आशान्वित होकर निष्ठा पूर्वक कार्य करते रहे परंतु हम सबों को अब तक भुगतान नहीं हो पाया है प्रधानमंत्री से अनुरोध करते हैं कि इस घोषित मानदेय को वर्तमान समय तक का बकाया एक मुश्त हमें प्रदान किया जाए और इसमें महंगाई के अनुसार उचित वृद्धि की जाए। हमें बैंकों द्वारा सीधे मासिक पारिश्रमिक दिया जाए।साप्ताहिक अवकाश हमें भी अन्य कर्मियों की तरह साप्ताहिक अवकाश प्रदान किया जाए।पारिश्रमिक का पुनर्निर्धारण 2014 से हमारे पारिश्रमिक में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बढ़ती महंगाई को देखते हुए हमारे पारिश्रमिक का पुनर्निर्धारण किया जाए,सुरक्षा और बीमा हमारी सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था की जाए।यदि कार्य अवधि के दौरान किसी बैंक मित्र की जान-माल का नुकसान होता है, तो उसके आश्रितों को तुरंत ₹10 लाख का प्रावधान किया जाए और आईडी परिवार के सदस्य को हस्तांतरित की जाए।पोर्टल अपडेट की सूचना पोर्टल पर होने वाले किसी भी अपडेट की जानकारी हमें 36 घंटे पहले दी जाए।कमीशन और प्रोत्साहन सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना एस एस एस के नवीनीकरण पर हमें कमीशन दिया जाए. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह भी मांग की कि बैंक और बैंक मित्रों के बीच कार्य कर रही बिचौलिया कंपनियों की व्यवस्था समाप्त होनी चाहिए। इससे बैंक मित्रों को सीधा लाभ मिल सकेगा।बैंक मित्रों के लिए सुरक्षा की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। बैंक की सुविधाएं घर-घर तक पहुंचाने वाले बैंक मित्र वर्तमान में उपेक्षा के शिकार हैं। उन्हें किसी भी प्रकार की कोई सुविधा नहीं मिल रही है। बैंकों की मूलभूत सेवाएं जन-जन तक पहुंचाने में बैंक मित्रों का महत्वपूर्ण योगदान है।जन-धन खाता खोलने में बैंक मित्रों की थी. अहम भूमिका प्रधानमंत्री को महत्वपूर्ण योजना जन धनखाता खोलने में बैंक मित्रों का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

निशा परवीन ने राज्य स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता में पाई प्रथम स्थान

संवाददाता

साहिबगंज: जिला की निशा परवीन ने राज्य स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है।बता दें कि पिता मो शाहिद एवं माता रुखसाना बेगम की सुपुत्री निशा परवीन ने खेलो इंडिया राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 1600 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।निशा ने यह दौड़ 6 मिनट 45 सेकंड में पूरी कर अपनी कड़ी मेहनत और लगन का परिचय दिया।निशा वर्तमान में भगत सिंह फिजिकल एकेडमी से प्रशिक्षण ले रही हैं।उन्हें कोच अभिषेक आनंद का मार्गदर्शन प्राप्त है।निशा का सपना है कि वह भविष्य में पुलिस अधिकारी बनकर देश की सेवा करें।मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ रंजीत कुमार सिंह ने निशा को इस उपलब्धि पर बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी है।उन्होंने कहा कि निशा ने पूरे साहिबगंज जिले का नाम रोशन किया है।कहा निशा का यह प्रदर्शन अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।हमें गर्व है कि निशा ने राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उल्लेखनीय है कि निशा को इस प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल मिला। उन्होंने अपनी मेहनत,अनुशासन एवं समर्पण से यह सिद्ध कर दिया कि साहिबगंज की बेटियाँ किसी से कम नहीं।उधर प्राचार्य डॉ रंजीत सिंह ने कहा राष्ट्रीय खेल दिवस पर निशा के माता और कोच अभिषेक आनंद को सम्मानित किया जाएगा।

एटीएम चालू होने से ग्रामीणों में खुशी की लहर

साहिबगंज : सदर प्रखंड के छोटी कोदरजन्ना गांव में सोमवार को एटीएम का हुआ उद्घाटन।छोटी कोदरजन्ना गांव मुख्य चौंक स्थित मो शाकीर आलम के दरवाजा पर वकरंगी कंपनी द्वारा प्रायोजित स्थापित एटीएम का हाजी दस्तगीर आलमकमरुज्जमा एवं मो यारानुल उर्फ गोले ने संयुक्त रूप से फिता काट कर उद्घाटन किया।एटीएम चालू होने से ग्रामीणों में खुशी की लहर है।स्थानीय हाजी मोहम्मद दस्तगीर एवं मो कमरूज्जमा आलम ने बताया कि एटीएम शुरू हो जाने से ग्रामीणों को काफी सुविधा होगी.क्योंकि नगद रुपए निकासी के लिए साहिबगंज नगर या मिजाचौंकी जाना पड़ता था जो गांव से दस किलोमीटर से ज्यादा की दूरी है।

प्रत्येक घर में गुणवत्तापूर्ण और पूर्ण रूप से कीटनाशी छिड़काव सुनिश्चित किया जाए : डॉ रामदेव

संवाददाता

साहिबगंज : कालाजार उन्मूलन अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बरहेट के अंतर्गत कालाजार प्रभावित गाँव हाथीगढ़ में आज आइआर एस द्वितीय चक्र कीटनाशी छिड़काव का शुभारंभ सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ० रामदेव पासवान द्वारा किया गया। जबकि डॉ० पासवान ने हरी झंडी दिखाकर जन-जागरूकता रैली को रवाना किया। स्वयं रैली मेंभाग लिया। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को कालाजार की रोकथाम के लिए घर के सभी कमरों गौशाला, बरामदा तथा आस-पास की जगहों पर छिड़काव करवाने का संदेश दिया गया।सिविल सर्जन ने स्वयं छिड़काव कार्य का निरीक्षण किया और उपस्थित सभी एमपीडब्लु वं छिड़काव कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक घर में गुणवत्तापूर्ण और पूर्ण रूप से कीटनाशी छिड़काव सुनिश्चित किया जाए, ताकि कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम, छिड़काव कर्मी व बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और कालाजार से बचाव के लिए सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया।

अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में स्ट्राबेरी का पौधा विभाग उपलब्ध कराएगा : प्रमोद एक्का

किसानों को विभागीय योजनाओं की दी गई जानकारी

संवाददाता

साहिबगंज : जिला कृषि पदाधिकारी साहिबगंज प्रमोद एक्का की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खरीफ कार्यशाला 2025 का आयोजन डी० पी० आर० सी, जिला पंचायती राज कार्यालय के सभागार में आयोजन किया गया। खरीफ कार्यशाला का उद्घाटन जिला कृषि पदाधिकारी, प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र, साहेबगंज, डी०डी०एम० नाबार्ड, जिला उद्यान पदाधिकारी, भुमि संरक्षण पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी एवं जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, साहिबगंज के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।सर्वप्रथम जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा मंचासीन सभी पदाधिकारियों, कार्यशाला में आए सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, सभी बी०टी० एम०, सभी ए०टी० एम०, सभी जनसेवक, सभी राजस्व कर्मचारी, अंचल निरीक्षक एवं सभी प्रगतिशील कृषकों का स्वागत करते हुए विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गयी।

कार्यशाला में जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि इस वर्ष साहेबगंज जिला 1569 हेक्टेयर में पटसन की खेती की गयी है एवं किसानो के द्वारा 7000-8000 रू० प्रति क्विंटल की दर से बिक्री किया जा रहा है। झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना अंतर्गत कृषकों को 3000 रू० प्रति एकड़ की दर से अधिकतम 05 एकड़ हेतु, 15000 रू० का मिलेट की खेती कर प्राप्त कर सकते हैं। ज्ञातव्य हो कि झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना में निबंधन की अंतिम तिथि 31.08.2025 है, जिसमें किसानों को अधिकाधिक निबंधन कराकर योजना का लाभ दिलाना है।मिट्टी नमूना जांच हेतु सभी बी०टी० एम०, सभी ए०टी० एम०, सभी जनसेवक, सभी कृषक मित्र को निदेश दिया गया कि खरीफ मौसम के बाद जैसे ही खेत खाली होता है अधिक से अधिक मिट्टी नमूना संग्रह कर लक्ष्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निदेश दिया गया। साथ ही मृदा स्वास्थ्य कार्ड की अनुशंसा के आलोक में किसानों को परामर्श देने का निदेश दिया गया।डिजिटल क्रॉप सर्वे में बारे भी विस्तार से परिचर्चा व प्रशिक्षण कराया गया। ज्ञातव्य हो कि

डिजिटल क्रॉप सर्वे अंतर्गत साहेबगंज जिला में कुल 6,72,637 प्लॉट का सर्वे करना है। डिजिटल क्रॉप सर्वे का प्रशिक्षण राजदेव प्रसाद सिंह, बी० टी० एम०, बरहेट के द्वारा कराया गया एवं निदेश दिया गया कि अधिक से अधिक सर्वेयर का निबंधन कराया जाए ताकि सर्वे का कार्य समय से पूर्ण हो सकें। साहेबगंज जिला अंतर्गत कुल 1820 सर्वेयर का चयन किया जाना है।जिसे पूर्ण करने का निदेश दिया गया। सर्वेयर को 10-रू० प्रति प्लाट की दर से प्रोतसाहन राशि दिया जाएगा।कार्यशाला में फसल जाँच कटनी का प्रशिक्षण कराया गया। प्रशिक्षक के रूप में पंकज कुमार एवं सुमित कुमार सिंह, कम्प्यूटर ऑपरेटर, जिला सांख्यिकी कार्यालय, साहेबगंज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाया। सभी को निदेश दिया गया कि इस वर्ष एपीपी के माध्यम से ही आगामी भदई एवं अगहनी फसलों का करना है।जिला सहकारिता पदाधिकारी के द्वारा फसल बीमा योजना एवं इसके लाभ के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। साथ ही उनके द्वारा अंतिम तिथि 31.08.2025 से पहले अपने-अपने फसलों का बीमा कराने की अपील की गयी। खरीफ मौसम में कुल 24708 कृषकों को निबंधन करना है। जिसमें से 14818 कृषकों का निबंधन हो गया है शेष को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निदेश दिया गया।जिला उद्यान पदाधिकारी, साहिबगंज के द्वारा उद्यानिकी से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के बारे में किसानों को अवगत कराया। साथ ही मशरूम की खेती, संरक्षित खेती, माली प्रशिक्षण, फलदार बागवानी, वर्मी कम्पोस्ट के बारे में जानकारी दी गयी। उनके द्वारा बताया गया कि फलदार बागवानी को बढ़ावा देने हेतु अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में स्ट्राबेरी का पौधा विभाग के द्वारा उपलब्ध करा दिया जाएगा।जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी द्वारा विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं से किसानों को रूबरू कराया। कृषि यांत्रिकीकरण, तालाब जीणोर्धार, परकोलेशन टैंक एवं डीप बोरिंग जैसी योजनाओं का लाभ किसान को सीधे भूमि संरक्षण कार्यालय से मिलकर प्राप्त कर सकते हैं।कार्यशाला में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, डी०डी०एम० नाबार्ड, साहेबगंज, प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र, साहेबगंज, वरीय वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, साहिबगंज, उप परियोजना निदेशक, जिला में कार्यरत प्रखंड कृषि पदाधिकारी, सांख्यिकी सहायक, अंचल निरीक्षक, राजस्व कर्मचारी, बी०टी० एम०, ए०टी० एम०, जनसेवक, कृषक मित्र और प्रगतिशील कृषक ने कार्यशाला में भाग लिया।

मन्नू क्या करेगा?' का ट्रेलर रिलीज, रोम-कॉम म्यूजिकल फिल्म दिखी व्योम और साची की चमक

अब टूटे दिलों के गीतों को भूल जाइए क्योंकि बॉलीवुड का रोमांस अब एक नए अपग्रेड के साथ आया है! मन्नू क्या करेगा? का ट्रेलर आखिरकार आ चुका है, और इसमें वो सब कुछ है, जो हम एक क्लासिक बॉलीवुड रोमांस में ढूंढते हैं। खासकर झिलमिलाती केमिस्ट्री, सच्ची भावनाएं और ऐसा संगीत जो ट्रेलर खत्म होने के बाद भी दिल में गूंजता रहता है।

क्यूरियस आईज सिनेमा के बैनर तले शरद मेहरा द्वारा प्रोड्यूस और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नए चेहरे व्योम और साची बिंद्रा नजर आएंगे, जिनकी शानदार केमिस्ट्री पहले ही दर्शकों का दिल जीत रही है। इनके साथ मजबूत सहायक कलाकारों में विनय पाठक, कुमार मिश्रा और चारू शंकर जैसे नाम भी शामिल हैं, जो फिल्म को और भी दमदार बनाते हैं।

पहले ही फ्रेम से फिल्म की वाइब बेहद ताजगी भरी और रंगीन नजर आती है। व्योम और साची की प्यारी सी केमिस्ट्री दर्शकों को तुरंत उनका दीवाना बना देती है ये दोनों सहज, मनमोहक और पुराने जमाने की रोमांटिक जादू को नए ट्विस्ट के साथ लेकर आते हैं, लेकिन सिर्फ. हंसी-ठिठोली तक ही बात नहीं रुकती, ट्रेलर रोमांस की दुनिया में परिवार के ड्रामे, भावनात्मक उतार-चढ़ाव और पहली मोहब्बत की मीठी-सी कसक को भी बखूबी दिखाता है। और फिर आती है इस फिल्म की जान, जो है इसका संगीत। ट्रेलर में छाए दिल को छू लेने वाला ट्रैक हमनवा , इस बात का इशारा करता है कि फिल्म का साउंडट्रैक 2025 के रोमांटिक म्यूज़िक सीन को हिलाकर रख देगा। अगर टीजर ने एक झलक दिखाई थी, तो ट्रेलर ने पक्का कर दिया है कि ये फिल्म हर किसी की लव प्लेलिस्ट में शामिल होने वाली है। ट्रेलर रोमांस के हर रंग की झलक दिखाता है, फिर वो चाहे मस्ती हो, ड्रामा हो, दिल टूटने की कसक हो या खुद को खोजने की खुशी हो। फिलहाल नए चेहरों के साथ, गहरी भावनाओं और संगीत से सजी ये फिल्म 2025 की सबसे बड़ी मस्ट-वॉच फिल्मों में से एक बनने जा रही है। 'मन्नू क्या करेगा?' सिनेमाघरों में 12 सितम्बर 2025 को रिलीज हो रही है ।

मनीष मल्होत्रा की फिल्म गुस्ताख इश्क की पहली झलक रिलीज

मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा निर्मित पहली फिल्म गुस्ताख इश्क की पहली झलक रिलीज हो गई है। मनीष मल्होत्रा फिल्म निमार्ता के तौर पर अपनी नई पारी की शुरूआत करने जा रहे हैं। मनीष मल्होत्रा हमेशा से सिनेमा के बड़े प्रशंसक रहे हैं। बचपन में फिल्में देखकर उनके मन में रंग, संगीत और कहानी की जादुई दुनिया बस गई थी।

फैशन की दुनिया में नाम बनने से पहले सिनेमा ने उनकी कल्पना को आकार दिया। मनीष अपनी पहली फिल्म गुस्ताख इश्क के जरिए अपने बैनर स्टेज5 प्रोडक्शन के तहत फिल्म निर्माण में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशक विभु पूरी हैं। संगीकार विशाल भारद्वाज, गीतकार, गुलजार हैं। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और शरीब हाशमी की अहम भूमिका है। मनीष मल्होत्रा ने कहा कि सिनेमा के प्रति मेरा प्यार बचपन से है। रंग, संगीत और कहानियां देखकर मेरी कल्पना बनी और मुझे डिजाइनर बनने की प्रेरणा मिली। आज, फिल्म प्रोडक्शन में कदम रखना मेरे लिए उस माध्यम को कुछ वापस देने जैसा है जिसने मुझे सब कुछ दिया। स्टेड5 प्रोडक्शन के साथ हम नई कहानियों और फिल्मों के जरिए हमेशा कुछ नया और प्रेरक पेश करना चाहते हैं। यह फिल्म नवंबर 2025 में रिलीज होने वाली है।

मां बनने वाली हैं परिणीति चोपड़ा, पति राघव चड्ढा के साथ दी गुड न्यूज, लिखा 1+1=3

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। कपल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी दी है। शेयर किए गए पोस्ट में एक बच्चे का नन्हा पांव दिखाई दे रहा है।

इस खबर के बाद बॉलीवुड से लेकर दुनिया भर के फैंस से बधाइयां आ रही हैं। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर इस खुशखबरी को शेयर करते हुए एक जैसा पोस्ट किया है। इस पोस्ट में बच्चे का नन्हा सा पांव है और 1+1=3 लिखा है। दोनों ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, हमारी छोटी सी दुनिया, बस आने को है, असीम कृपा है।

जान्हवी कपूर ने बताया परम सुंदरी में कैसा है उनका किरदार

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने बताया है कि उनकी आने वाली फिल्म परम सुंदरी में उनका किरदार हाफ मलयाली और हाफ तमिलियन है। जान्हवी कपूर अपनी आने वाली रोमांटिक कॉमेडी परम सुंदरी के जरिए दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं। अलग-अलग शैलियों की फि ल्में करने के बाद, इस बार जान्हवी के लिए यह फि ल्म उस जॉनर में वापसी है जिसे करने की उनकी लंबे समय से इच्छा रही है।

जान्हवी ने कहा, कलाकार के तौर पर नहीं, बल्कि ऑडियंस के तौर पर भी, मैं बहुत दिनों से एक रोम-कॉम करना चाहती थी। ऐसी हल्की-फुल्की रोमांटिक मूवी, जिसे देखते हुए चेहरे पर मुस्कान आ जाए। आखिरकार मैंने ऐसी कहानी कर ली है, जो मुझे मेरी जड़ों की ओर वापस ले जाती है। जान्हवी ने फिल्म परम सुंदरी में अपने किरदार के बारे में दिलचस्प बात भी साझा की। उन्होंने कहा, मैं मलयाली नहीं हू, न ही मेरी मां थीं। लेकिन मेरी फिल्म का किरदार हाफ तमिलियन और हाफ मलयाली है। जान्हवी ने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए बताया कि उनकी लाइन-अप काफी मजबूत है। वह करण जौहर की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन के साथ नजर आएंगी और अपनी पहली पैन-इंडिया फि ल्म पेड्डी में राम चरण के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

वाणी बत्रा ने आखिरकार गाया सैयारा, इंटरनेट पर मचा तहलका

अनीत पड्डा एक मल्टी-टैलेंटेड आर्टिस्ट हैं। उन्होंने सैयारा में अपनी शानदार अभिनय कला से भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी सबका दिल जीत लिया है। लेकिन कल रात उन्होंने अपनी गायकी की झलक दिखाकर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। सैयारा में अनीत वाणी बत्रा का किरदार निभाया हैं और उन्होंने कल रात एक अनप्लग्ड वर्जऩ अपलोड किया, जिसमें वाणी ने कृष कपूर (अहान पांडे द्वारा निभाया गया किरदार) के लिए लिखी अपनी कविता सैयारा गाई।

भारत के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

50 मीटर राइफल थ्री-पोजीशन स्पर्धा में चीन के खिलाड़ी को हराया

एजेंसियां/ श्यामकेंट (कजाकिस्तान): एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2025 में रविवार को भारत के ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने चीन के झाओ वेन्यू (462.0) को पछाड़ कर 462.5 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ऐश्वर्य का इसी स्पर्धा में यह दूसरा एशियाई खिताब है।

इससे पहले उन्होंने 2023 में भी स्वर्ण पदक जीता था। अखिल श्योराण ने भी इस साल फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन पांचवें स्थान पर रहे, जबकि एक अन्य भारतीय निशानेबाज चैन सिंह चौथे स्थान पर रहे। जापान के नाओया ओकाडा ने कांस्य पदक जीता। ऐश्वर्य तोमर, चैन सिंह और अखिल श्योराण की तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में 1747 अंकों के साथ रजत पदक भी जीता।

टी20 में 500 विकेट और सात हजार रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने शाकिब अल हसन

नॉर्थ साउंड: शाकिब अल हसन टी-20 में 500 से ज्यादा विकेट और 7000 से अधिक रन बनाने वाले टी-20 में दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए। शाकिब ने यह उपलब्धि पेट्रियट्स बनाम फाल्कंस के सीपीएल 2025 मुकाबले के दौरान हासिल की। शाकिब को पारी के 15वें ओवर में पहली बार आक्रमण पर लगाया गया और उन्होंने इसी ओवर में मोहम्मद रिजवान को कैच कराकर टी-20 इतिहास में 500 विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज बन गए। शाकिब ने अगले ओवर में दो और विकेट लेते हुए अपने आंकड़े को 502 तक पहुंचा दिया। शाकीब ने इस मैच में दो ओवर में 11 रन देकर तीन विकेट लिए।

इस उपलब्धि के साथ शाकिब टी-20 क्रिकेट में 500 या उससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गए हैं। इस क्लब में राशिद खान (660), ड्वेन ब्रावो (631), सुनील नरेन (590) और इमरान ताहिर (554) मौजूद हैं। लेकिन शाकिब को बाकियों से अलग उनकी असाधारण ऑलराउंड क्षमता बनाती है। अब वह टी-20 इतिहास के इकलौते खिलाड़ी हैं जिन्होंने 7000 रन और 500 विकेट लिए हैं। इस अविश्वसनीय उपलब्धि के सबसे करीब पहुंचने वाले खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो थे, जिन्होंने अपने करियर का अंत 6970 रन और 631 विकेट।

भारत में पाक कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भले ही भारत में सभी पाकिस्तानी कलाकारों को बैन कर दिया गया है। हालांकि कई इंडियन न सिर्फ पाकिस्तानी ड्रामा पसंद करते हैं, बल्कि पाकिस्तानी एक्टर्स को सोशल मीडिया पर फॉलो भी करते हैं। उन फैंस के लिए बुरी खबर है क्योंकि अब से कोई भी इंडियन यूजर, किसी पाकिस्तानी सेलेब्स का सोशल मीडिया अकाउंट नहीं देख सकेगा।

दरअसल, सभी पाकिस्तानी एक्टर्स के अकाउंट भारतीय यूजर्स के लिए सस्पेंड कर दिए गए हैं। अब पाकिस्तानी सेलेब्स के अकाउंट में लिखा आ रहा है, अकाउंट भारत में मौजूद नहीं है। इन कंटेंट को लीगल रिक्वेस्ट के चलते रिस्ट्रिक्ट किया जा रहा है। भारत में रिस्ट्रिक्ट होने वाले पाकिस्तानी सेलेब्स में माहिरा खान, हानिया आमिर, अली जफर, माया अली, आयजा खान, सजल अली, इकरा अजीज, सनम सईद के नाम शामिल हैं। बता दें कि माहिरा खान, अली जफर, सजल अली बॉलीवुड में काम कर चुके हैं।

टीम इंडिया की जर्सी से हटेगा ड्रीम 11 का नाम, नए स्पॉन्सर की तलाश में बीसीसीआई

एशिया कप से पहले ड्रीम-11 के साथ नाता खत्म, बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने किया कन्फर्म

नई दिल्ली: फैंटेसी स्पोर्ट्स कंपनी ड्रीम-11 के साथ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का नाता खत्म हो गया है। इसकी पुष्टि सोमवार को बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने की है। अब बीसीसीआई नए लीड स्पॉन्सर की तलाश पर विचार-विमर्श कर रहा है। देवजीत सैकिया ने कहा, नए कानून के तहत, बीसीसीआई के लिए ड्रीम-11 या किसी अन्य समान गेमिंग कंपनी के साथ करार जारी रखना मुश्किल होगा।

मुझे नहीं लगता कि बीसीसीआई अब ड्रीम-11 के साथ करार जारी रख पाएगा। हम इस समय विकल्प पर विचार कर रहे हैं। नौ सितंबर से यूएई में पुरुष टी-20 एशिया कप की शुरूआत होने जा रही है, जिसमें अब बहुत ही कम समय बचा है। यह पूछे जाने पर कि क्या बीसीसीआई भारतीय टीम के स्पांसर के लिए जल्द ही एक नया टेंडर जारी करेगा। सैकिया ने कहा, हमने अभी तक कुछ भी तय नहीं किया है, लेकिन हमें अब एक विकल्प तलाशना होगा। ड्रीम-11 के जाने से स्पांसरशिप स्लॉट खाली हो जाएगा। इसलिए, हमें एक विकल्प की तलाश है। हमें इसके लिए क्या करना होगा और कैसे करना होगा, इस पर हम अभी विचार-विमर्श कर रहे हैं। नए कानून के तहत, ड्रीम-11 अब हमारे साथ नहीं रहेगा।

जुलाई, 2023 में बना था लीड स्पांसर: जुलाई, 2023 में ड्रीम-11 ने एडटेक कंपनी बायजू की जगह भारतीय क्रिकेट टीम के लीड स्पांसर के रूप में तीन साल का करार किया था। यह करार 358 करोड़ रुपए में हुआ था। आईपीएल में ड्रीम-11 की महत्त्वपूर्ण उपस्थिति रही।

मारूति ई विटारा का प्रोडक्शन शुरू, पीएम मोदी ने किया फ्लैग-ऑफ

यूरोप-जापान समेत 100 देशों में होगी एक्सपोर्ट

प्रधानमंत्री मोदी ने 1,400 करोड़ रुपए से अधिक की रेलवे परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की

इन परियोजनाओं में 537 करोड़ रुपए से तैयार महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन दोहरीकरणभी शामिल

गोरखपुर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में 1,400 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। ये परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, पाटण, बनासकांठा, गांधीनगर और अहमदाबाद जिलों को लाभान्वित करेंगी। ये रेलवे परियोजनाएं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता और रोजगार सृजन में उल्लेखनीय योगदान देंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेलवे की जो परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की उनमें 537 करोड़ रुपए की लागत से तैयार महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन (65 किमी) का दोहरीकरण, 347 करोड़ रुपए की लागत से कलोल-कड़ी-कटोसन रोड रेल लाइन (37 किमी) का गेज कन्वर्जन और 520 करोड़ रुपए की लागत से बेचराजी-रणुंज रेल लाइन (40 किमी) का गेज कन्वर्जन शामिल है।

ये रेलवे परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, बनासकांठा और पाटण जिले को ब्रॉडगेज लाइन के माध्यम से सहज, सुरक्षित और निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी। इससे दैनिक यात्रियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए आवागमन अधिक सरल और तेज होगा। साथ ही, क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। अतिरिक्त लाइन क्षमता के कारण अहमदाबाद-दिल्ली मार्ग पर तेज गति से ट्रेनों का संचालन संभव होगा। इससे अधिक यात्री ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा और मालगाड़ियों की गति एवं दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इस प्रकार यह परियोजनाएं गुजरात की आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान करेंगी। बेचराजी-रणुंज रेल लाइन का गेज कन्वर्जन नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान फॉर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के अनुरूप किया गया है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और गुजरात राज्य की लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रैंकिंग में और बेहतर सुधार लाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यह पहल उत्तर गुजरात की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को और गति प्रदान करेगी। साथ ही, भारत के लॉजिस्टिक्स और रेलवे क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करेगी।

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन देश को एक नई सौगात दी। पीएम मोदी ने आज अहमदाबाद के पास हंसलपुर स्थित मारुति सुजुकी के प्लांट में कंपनी की पहली पूरी तरह से इलेक्ट्रिक एसयूवी मारुति ई विटारा को फ्लैग-ऑफ किया। इसके साथ ही हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन की भी शुरूआत की गई।

मारुति सुजुकी की यह पहली इलेक्ट्रिक कार अब हंसलपुर प्लांट में स्थानीय स्तर पर निर्मित होगी। कंपनी ने आज से इस एसयूवी का उत्पादन शुरू कर दिया है, जिसे जापान, यूरोप समेत दुनिया के 100 से अधिक देशों में निर्यात किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने असेंबली लाइन का उद्घाटन कर इसकी शुरूआत की।

बैटरी इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए हंसलपुर प्लांट में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड का निर्माण भी आज से शुरू हुआ है, जिससे भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा मिलेगा और उत्पादन पर निर्भरता कम होगी।

मारूति ई विटारा के डिजाइन और फीचर्स की बात करें तो इसका लुक काफी हद तक पिछले साल पेश किए गए मारूति ईवीएक्स कॉन्सेप्ट जैसा है। हालांकि इसमें कुछ बदलाव किए गए हैं, जैसे कि कुछ शार्प एंगल्स को थोड़ा नरम किया गया है। इसमें आगे और पीछे ट्राई-स्लैश एलईडी डेटाइम रनिंग लाइट्स, चार्जिंग पोर्ट, और पीछे की तरफ कर्व व्हील आर्च जैसे स्टाइलिश एलिमेंट्स दिए गए हैं। सी-पिलर तक रियर डोर हैंडल का डिजाइन इसे और मॉडर्न लुक देता है।

यह इलेक्ट्रिक एसयूवी 8-इंच अलॉय व्हील्स से लैस है। इसकी लंबाई 4,275 मिमी, चौड़ाई 1,800 मिमी और ऊंचाई 1,635 मिमी है। 2,700 मिमी का व्हीलबेस इसे और ज्यादा स्टेबल बनाता है, जो कि क्रेटा जैसे प्रतिद्वंद्वियों से भी बड़ा है। इसका ग्राउंड क्लीयरेंस 180 मिमी है, जो भारतीय सड़कों के लिहाज से पर्याप्त है। गाड़ी का वजन वेरिएंट के अनुसार 1,702 से 1,899 किलोग्राम के बीच है।

देश में बनी यह इलेक्ट्रिक एसयूवी मारुति सुजुकी के लिए एक बड़ा कदम मानी जा रही है, जो भारत के ऑटो सेक्टर में इलेक्ट्रिक वाहनों की दिशा में तेजी से बढ़ रहे रुझान को दर्शाती है।

15 दिन पति, 15 दिन प्रेमी, बीवी के अजीब ऑफर से पंचायत हैरान, 10 बार भाग चुकी है महिला

रामपुरः उत्तर प्रदेश के रामपुर में पति-पत्नी और प्रेमी का अजब-गजब मामला सामने आया है। अब तक प्रेमी के साथ 10 बार भाग चुकी विवाहिता ने गांव में बुलाई गई पंचायत में खुला प्रस्ताव रख दिया कि वह महीने में 15 दिन पति और 15 दिन प्रेमी के साथ रहेगी। बीवी का ऑफर सुनकर पति के साथ-साथ वहां मौजूद सारे लोग दंग रह गए। पंचायत में ही पति हाथ जोड़कर पत्नी से बोला कि मुझे माफ करो और अब तुम अपने प्रेमी के साथ ही रहो। यह प्रकरण क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मामला थाना अजीमनगर और टांडा क्षेत्र के दो गांवों से जुड़ा है। अजीमनगर थाना क्षेत्र निवासी एक युवती की शादी डेढ़ वर्ष पूर्व पड़ोस के ही गांव के एक युवक से हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद विवाहिता का टांडा क्षेत्र के युवक से प्रेम पनप गया। एक वर्ष पहले महिला प्रेमी संग फरार हो गई। पंचायत के बाद विवाहिता को पति वापस घर ले आया। लेकिन पत्नी एक वर्ष के अंदर ही 9 बार प्रेमी के साथ भाग गई। 8 दिन पहले पति ने मामले की शिकायत अजीमनगर पुलिस से की। पति ने मुकदमा नहीं लिखवाया लेकिन पुलिस से गुजारिश की कि पत्नी को प्रेमी के पास से बुलाकर ला दे।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने पत्नी को बरामद कर पति के हवाले कर दिया। एक रात पति के घर रुकने के बाद पत्नी 10वीं बार फिर फरार हो गई। पत्नी के एक बार फिर भागने पर पति प्रेमी के घर पहुंचा और पत्नी से घर चलने को कहा तो उसने साफ इनकार कर दिया। पति ने पत्नी को काफी समझाया लेकिन वह नहीं मानी। इस दौरान पंचायत हुई तो पत्नी ने एक महीने में 15 दिन पति और 15 दिन प्रेमी के साथ रहने का प्रस्ताव रख दिया।

प्रस्ताव सुनकर पंचायत में बैठे पंच एक-दूसरे का मुंह ताकने लगे। फिर पति हाथ जोड़कर खड़ा हो गया और बोला अब तुम अपने प्रेमी के साथ ही रहो, मुझे माफ करो। पत्नी को प्रेमी के घर ही छोड़ पति वापस अपने घर चला आया। रिश्तेदार और पंच भी वापस चले गए। बार-बार पत्नी का प्रेमी के साथ भागना और आखिरकार प्रेमी के साथ ही रहने का मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस उपनिरीक्षक विकास राजपूत ने बताया कि एक व्यक्ति ने पत्नी के भागने की सूचना दी थी। जिसके बाद उसे बरामद कर पति के हवाले कर दिया था। वह अपने पति के साथ चली गई थी। पंचायत के बारे में हमें जानकारी नहीं है।

पटना में बच्चों की हत्या के बाद भारी बवाल, तेजस्वी का आरोप- मंगल पांडेय की गाड़ी पर हमला

पटनाः दो बच्चों की हत्या के बाद पटना में भारी बवाल हुआ है। पटना के अटल पथ पर गुस्साए लोगों ने कई गाड़ियों में आग लगा दी और पुलिस पर भी पथराव किया गया है। कहा जा रहा है कि आक्रोशित लोगों ने सोमवार की रात एक मंत्री की कार पर भी हमला बोला था। अब इस पूरे मामले पर राजनीति भी शुरू हो गई है। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस घटना को लेकर बिहार में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। इसी के साथ तेजस्वी यादव ने अपने एक्स हैंडल पर दावा किया है कि गुस्साए लोगों ने बिहार सरकार के

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय की गाड़ी पर धावा बोला था।

तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखा, विगत चंद दिनों में राजधानी पटना में घर में घुसकर 5-6 बच्चों की दर्दनाक और खौफनाक हत्याएं हुई है। ध्वस्त विधि व्यवस्था एवं शासन-प्रशासन से सुनवाई-कार्रवाई नहीं होने के कारण कल ही पटेल नगर में दो बच्चों की हत्या से आक्रोशित लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे की गाड़ी पर हमला किया। जनाब पांडे जी, इतने असंवदेनशील, अंहकारी और संभ्रांत मंत्री है कि पीड़ितों से बात करना भी अपना अनादर समझते है।

किम जोंग उन से मेरे संबंध अच्छे, फिर से मिलना चाहूंगा : डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अपनी सक्रियता को लेकर इन दिनों बेहद चर्चा में हैं। बीते 15 अगस्त को उन्होंने रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। अब ट्रंप ने उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग उन से इस साल के अंत तक मिलने की उम्मीद जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यांग से मुलाकात की थी। इस मुलाकात की शुरूआत में उन्होंने उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग उन का जिक्र किया था। ट्रंप ने कहा था कि किम के साथ उनके रिश्ते अच्छे हैं और वह उनसे फिर से मिलने के उत्सुक हैं।

ट्रंप ने कहा, मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। मुझे लगता है कि उनके देश में अपार संभावनाएं हैं। ट्रंप पूर्व में भी किम जोंग उन से तीन बार मुलाकात कर चुके हैं। अपने पिछले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान ट्रंप उत्तर कोरियाई राष्ट्रपति से तीन बार मिले थे। ट्रंप और किम की पहली मुलाकात जून 2018 में सिंगापुर में हुई थी। फरवरी 2019 में दोनों वियतनाम के हनोई में दूसरी बार मिले थे। वहीं, दोनों नेताओं की तीसरी मुलाकात जून 2019 में अंतर-कोरियाई सीमावर्ती गांव पनमुनजोम में हुई थी। व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली ने भी ट्रंप की कूटनीति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि आप कोरियाई प्रायद्वीप में शांति ला पाएंगे। ली ने कहा अगर ट्रंप राष्ट्रपति पद पर बने रहते तो किम अपनी परमाणु क्षमताओं को आगे नहीं बढ़ा पाते। बता दें कि उत्तर और दक्षिण कोरिया के रिश्ते सामान्य नहीं हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने बीते 15 अगस्त को अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त करवाने के उद्देश्य से मुलाकात की थी। ट्रंप कई इजरायल और ईरान युद्ध को भी रुकवाने में अपनी भूमिका का दावा करते रहे हैं। ऐसे में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति को उम्मीद है कि ट्रंप उत्तर कोरिया के साथ उनके रिश्ते को सहज और बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

कचरा नहीं है केले का छिलका, वैज्ञानिकों की रिसर्च में सामने आए सेहत से जुड़े कई फायदे

नई दिल्ली : लंबे समय से केला हमारे रोजमर्रा के खानपान का अहम हिस्सा रहा है। ये न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि शरीर को एनर्जी देने के लिए भी जाना जाता है। आमतौर पर केला खाने के बाद उसका छिलका कचरे में फेंक दिया जाता है। लेकिन वैज्ञानिक शोधों में सामने आया है कि जो छिलका हम बेकार समझकर फेंक देते हैं, वो असल में सेहत के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, केले के छिलके में ऐसे कई प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो शरीर के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी माइक्रोबियल शरीर में जमा हानिकारक कणों को बाहर निकालते हैं। जापान के वैज्ञानिक

सोमेया और उनके साथियों ने एक स्टडी में बताया कि केले के छिलके में गैलोकैटेचिन नाम का तत्व पाया जाता है, जो शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होता है। ये हमारे शरीर को अंदर से साफ करता है और बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। दूसरी ओर, इंडोनेशिया में हुई रिसर्च में पता चला कि छिलके में मौजूद फ्लावोनोइड्स, टैनिन, और सैपोनिन जैसे तत्व शरीर में फ्री रेडिकल्स से मुकाबला करते हैं। ये फ्री रेडिकल्स वो कण होते हैं जो शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। रिसर्च में पाया गया कि छिलका में मौजूद एंटीबैक्टीरियल ई। कोलाई, साल्मोनेला और स्टेफाइलोकोक्स जैसे खतरनाक बैक्टीरिया को खत्म करने की ताकत रखता है, जो पेट की खराबी, बुखार और दूसरी बीमारियों का कारण बनते हैं। साथ ही दांत और मसूड़ों से जुड़ी बीमारियों वाले बैक्टीरिया को भी मारता है।

घरों और फसलों को पहुंचा भारी नुकसान, हाथियों का उत्पात जारी

रायगढ़ः छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में हाथियों के मूवमेंट से लोगों में दहशत का माहौल है। लैलूंगा रेंज में हाथियों के दल ने 3 कच्चे मकानों को तोड़ दिया। साथ ही 9 किसानों के फसल को रौंद कर बर्बाद कर दिया। जानकारी के मुताबिक, धरमजयगढ़ वन मंडल के लैलूंगा रेंज के जंगल से 27 हाथियों का दल बैगिनझरिया गांव के करीब पहुंच गया है। रविवार की रात हाथियों ने दयाराम मांझी, मयाराम मांझी, परमीन मांझी के कच्चे मकानों में तोड़फोड़ कर बोरे में रखे धान खा गए। जबकि घर में रखे कुछ घरेलू सामानों को भी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों को हाथियों के आने की जानकारी हुई तो सभी घरों से बाहर निकल गए। मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जिसके बाद वनकर्मी और ग्रामीणों ने हाथियों को जंगल की ओर भगाने के लिए हो-हल्ला शुरू कर दिया। इस दौरान हाथियों ने 9 किसानों के फसल को भी बर्बाद कर दिया। इससे कुछ देर बाद हाथियों का दल वापस जंगल की ओर चले गया। जिले के जंगल में 187 हाथी अलग-अलग जंगलों में विचरण कर रहे हैं। धरमजयगढ़ वन मंडल की बात करें तो 127 हाथी अलग-अलग रेंज में विचरण कर रहे हैं। जिसमें लैलूंगा रेंज में सर्वाधिक 61 हाथी, छाल में 22, बोरो में 13, कापू में 13, बाकारूमा में 11 के अलावा धरमजयगढ़ में 7 हाथियों की मौजूदगी है। इसके अलावा रायगढ़ वन मंडल में 60 हाथी हैं। जिसमें घरघोड़ा रेंज में 28, रायगढ़ में 22 के अलावा तमनार रेंज में 10 हाथियों की मौजूदगी है। लैलूंगा सब डिवीजन के रऊद्ध एमएल सिदार ने बताया कि हाथियों ने 3 मकानों को और 9 किसानों के फसल को नुकसान किया है। जिसका आकलन विभाग कर रहा है। इसके अलावा लैलूंगा सब डिवीजन क्षेत्र में 61 हाथी विचरण कर रहे हैं। उनके मूवमेंट पर लगातार नजर रखा जा रहा है। साथ ही गांव-गांव में मुनादी भी कराई जा रही है।

देश में जीएसटी ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 15 अगस्त को लालकिले की प्राचीर से जीएसटी सुधार का ऐलान किया था और इसमें जीएसटी की दो दरें 5% और 18%, लागू करने का प्रस्ताव है। इसके बाद बीते 20 और 21 अगस्त को दिल्ली में हुई ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक में 12% और 28% जीएसटी स्लैब को खत्म करने के केंद्र के प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी गई। अब इसे लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार टेक्सटाइल और फूड प्रोडक्ट्स को 5 फीसदी के टैक्स स्लैब में लाने पर विचार कर रही है। नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म के तहत अब आम आदमी पर टैक्स का बोझ कम करने के लिए खासतौर पर खाद्य पदार्थों और कपड़ा को 5% के स्लैब में ला सकती है। टीओआई की रिपोर्ट की मानें, तो सरकार कुछ

सामान्य रूप से प्रयुक्त सेवाओं पर जीएसटी दरों का भी मूल्यांकन कर रही है, ताकि यह देखा जा सके कि क्या उन्हें 18% की दर से घटाकर 5% किया जा सकता है। इसके कहा गया है कि अगले महीने की शुरूआत में होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। इसके अलावा सीमेंट समेत अन्य कई वस्तुओं और सैलून व ब्यूटी पार्लर जैसी जन उपभोग सेवाओं पर भी जीएसटी कटौती की योजना पर चर्चा की जा सकती है। फिलहाल, छोटे सैलून जीएसटी से फ्री हैं, लेकिन मिड और हाई कैटेगरी के सैलून पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगता है, जिसकी भरपाई के लिए सीधे तौर पर ग्राहकों पर बोझ डाला जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जीएसटी आफ सीमेंट 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किए जाने का प्रस्ताव है। बता दें कि कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की यह लंबे समय से डिमांड रही है। इसके अलावा अन्य संभावित बदलावों पर नजर डालें, तो टर्म इंश्योरेंस और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी खत्म किया जा सकता है, जबकि 4 मीटर तक लंबी छोटी कारों पर 18 फीसदी और बड़ी कारें 40 फीसदी जीएसटी स्लैब में रह सकती हैं। गृह मामलों की संसदीय समिति फिलहाल मिठाइयों और कपड़ों पर लागू जीएसटी की बात करें, तो बिना ब्रांड वाली मिठाइयों पर 5 फीसदी की दर से जीएसटी लागू होता है, तो वहीं ब्रांडेड और पैकेज्ड मिठाइयां 18 फीसदी स्लैब में आती हैं। इसके अलावा कार्बोनेटेड ड्रिंक्स भी इसी स्लैब में हैं। वहीं कपड़ों की बात करें, तो ये मूल्य के हिसाब से 5% से 12% के अैक्स सलैब में आते हैं, जैसे 1000 रुपये या उससे कम कीमत के कपड़ों पर 5 फीसदी और इससे अधिक की कीमत के कपड़ों पर 12 फीसदी का जीएसटी लागू होता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक 3 और 4 सितंबर 2025 को सुबह 11 बजे प्रस्तावित है और इससे पहले 2 सितंबर को नई दिल्ली में जीएसटी से जुड़े अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया जाना है। हालांकि, जीएसटी काउंसिल की बैठक को लेकर विस्तृत एजेंडा और स्थान की घोषणा का अभी इंतजार है। गौरतलब है कि वित्त मंत्रालय के अनुसार, जीएसटी की नई संरचना से केंद्र और राज्य सरकारों की आय पर असर पड़ेगा। जीएसटी सचिवालय के अधिकारियों की फिटमेंट कमेटी ने इस नुकसान का मसौदा तैयार किया है, जिसमें करीब 40,000 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान की आशंका है। सरकार से जुड़े सूत्रों की मानें, तो केंद्र का लक्ष्य दशहरा-दिवाली त्योहार से पहले जीएसटी दरों में कटौती लागू करने का है। इस साल 21 अक्टूबर को मनाई जाएगी और सरकार के द्वारा जीएसटी रिफॉर्म की दिशा में उठाया गया ये कदम उपभोक्ताओं और व्यवसायों को राहत भरा तोहफा साबित हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में कहा था कि सरकार अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लाएगी, जिससे आम आदमी पर कर का बोझ कम होगा। यह सरकार की तरफ से देशवासियों के लिए दिवाली का तोहफा होगा।

न्यूज IN ब्रीफ

सांसदों ने दिशोम गुरू को दी श्रद्धांजलि कलाकार अमृत को सराहा

साहिबगंज : राजमहल सांसद ने सोमवार को स्थानीय परिसदन सभागार में दिशोम गुरू की कलाकृति को श्रद्धांजलि अर्पित की।उक्त कलाकृति कलाकार अमृत प्रकाश की निर्मित है।उन्होंने पूरे परिसदन सभागार को दिशोम गुरू की जीवनी से सुसज्जित किया है।सांसद ने कलाकार अमृत प्रकाश की सराहना की।वहीं विजीटर बुक में अपना उद्गार दर्ज किया।मौके पर झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिँह,केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला उपाध्यक्ष संजीव सामु हेम्बम, सुरेंद्र यादव,संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा सहित अन्य लोग थे.

गणेश पूजा व विश्वकर्मा पूजा में सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चाक चौबंद : एसडीओ

साहिबगंज : नगर थाना परिसर व जीरवाबाड़ी थाना परिसर में सोमवार को आगामी गणेश पूजा व विश्वकर्मा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित किया गया।जिसमें एसडीओ अमर जॉन आइंद ने कहा कि गणेश पूजा व विश्वकर्मा पूजा में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी।गणेश पूजा का विसर्जन 29 व 30 अगस्त को किया जाएगा।वही विश्वकर्मा पूजा का विसर्जन विसर्जन 19 सितंबर को किया जाएगा। विसर्जन के दौरान उपद्रवियों हुड़दंगियों पर पैनी नजर रखी जाएगी,सीसीटीवी व ड्रोन से निगरानी की जाएगी।पूजा पंडाल व चौक चौराहों संवेदनशील स्थानों में मजिस्ट्रेड व महिला पुरुष पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।मेला के दौरान सादे लिबास में पुलिस फोर्स उपद्रवियों हुडदंगी पर पैनी नजर रखेंगे।वही पूजा समिति सदस्यों ने साफ सफाई,ब्लीचिंग का छिड़काव ओर विसर्जन मार्ग में पेड़ो का टहनी छांटने सहित समस्याएं बताई।मौके पर एसडीपीओ किशोर तिर्की,सीओ सदर बासुकिनाथ टुडु,नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता,जीरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह,गणेश तिवारी,मो कलीमुद्दीन,मो अनवर अली,चेतन भरतीया,सागर एहसान,जय प्रकाश सिन्हा सहित पूजा समिति सदस्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

टाटानगर रेलवे ओवरब्रिज पर ट्रक के धक्के से सब्जी बिक्रेता जख्मी

जमशेदपुर : अनियंत्रित ट्रक ने बमामाईंस से बागबेड़ा गुदरी बाजार आने के दौरान सब्जी विक्रेता को मंगलवार दिन में करीब 11 बजे धक्का मार दिया। इससे जख्मी सब्जी विक्रेता को स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा है जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। इधर, दुर्घटना की सूचना मिलने पर बमामाईंस पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर लिया जबकि, चालक घटना के बाद ट्रक छोड़कर भाग गया। मालूम हो कि बमामाईंस की ओर से सड़क घुमावदार है तेज गति के वाहन की चपेट में आकर अक्सर वहां दुर्घटनाएं होती हैं। फिलहाल पुलिस ट्रक नंबर के आधार पर मालिक और चालक का पता लगाने में जुटी है ताकि कार्रवाई कर सके।

आरपीएफ ने बक्सर एक्सप्रेस में अचेत यात्री को पहुंचाया अस्पताल

जमशेदपुर : टाटानगर के आरपीएफ जवानों ने बक्सर एक्सप्रेस के जनरल कोच में अचेत यात्री विश्वनाथ सरकार 58 वर्ष को उतारकर इलाज के लिए रेलवे अस्पताल पहुंचाया। बताया जाता है कि सोमवार रात कोच में यात्री की तबीयत बिगड़ने की सूचना ट्रेन से टाटानगर स्टेशन पर आई थी। इससे रेलकर्मियों के साथ आरपीएफ के जवान भी सतर्क थे। रेलवे अस्पताल से डॉक्टर को भी स्टेशन बुलाया गया था। ट्रेन आने पर इंजन के बाद वाली बोगी से अचेत यात्री को उतार कर जांच के बाद अस्पताल ले जाया गया।

कोर्ट में चल रहे मामलों का तेजी से कराएं ट्रायल : सीबीआई डायरेक्टर

धनबाद : सीबीआई के डायरेक्टर प्रवीण सूद सोमवार को धनबाद पहुंचे। उन्होंने शाम में धनबाद सीबीआई की एसीबी ब्रांच के दफ्तर में रांची जोन के ज्वाइंट डायरेक्टर राजीव रंजन और धनबाद सीबीआई एसपी प्राद किशोर झा सहित अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में डायरेक्टर ने कोर्ट में चल रहे मामलों में तेजी से ट्रायल करा कर भ्रष्टाचारियों को सजा दिलाने का आदेश दिया। सीबीआई के अभियोजक और स्पेशल पीपी को कहा कि वे कोर्ट में गवाह और साक्ष्य प्रस्तुत करने में तेजी लाएं। सीबीआई के एसपी, डीएसपी और केस के अनुसंधाकताओं को निर्देश दिया कि वे अभियोजकों को केस के त्वरित निष्पादन में हरसंभव मदद करें ताकि आरोपियों की सजा तय कराई जा सके।

डायरेक्टर ने धनबाद ब्रांच को निर्देश दिया कि वे घूसखोरों के खिलाफ कार्रवाई को तेज करें। केंद्र सरकार के उपक्रमों में होनेवाले घपलों-घोटालों पर भी पैनी नजर रखें। प्रारंभिक जांच (पीई) के अनुसंधान में तेजी लाएं। प्रवीण सूद देवघर के रास्ते धनबाद पहुंचे थे। उन्होंने देवघर में बाबा मंदिर में पत्नी के साथ पूजा-अर्चना भी की। धनबाद में वे धनसार स्थित एक होटल में ठहरे हैं। मंगलवार को मैथन के रास्ते वे देवघर जाएंगे। देवघर से ही उनके लौटने की फ्लाइट है।

प्रवीण सूद डायरेक्टर के धनबाद पहुंचने पर डीसी आदित्य रंजन और एसएसपी प्रभात कुमार ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रवीण सूद ने बताया कि यह उनका रूटीन दौरा है। धनबाद सीबीआई के लिए काफी प्रतिष्ठित और पुरानी ब्रांच रही है। सीबीआई के 72 ब्रांच हैं। डीजी बनने के बाद वे लगातार सीबीआई के ब्रांचों का दौरा करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे ब्रांच की कार्यप्रणाली देखने आए हैं। यहां काम करनेवाले 40 अफसरों और कर्मियों का वे प्रोत्साहन बढ़ाने आए हैं। डायरेक्टर ने सीबीआई दफ्तर में पौधरोपण भी किया।

बार एसो. चुनाव का प्रचार परवान पर

धनबाद : धनबाद बार एसोसिएशन का चुनाव नजदीक आते ही चुनाव प्रचार अपने परवान पर चढ़ चुका है। 30 अगस्त को चुनाव होना है। 16 पदों के लिए कुल 101 उम्मीदवार चुनावी समर में अपनी दावेदारी को पक्की करने के लिए जी तोड़ प्रचार कर रहे हैं। कोर्ट की अवधि शुरू होते ही प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार शुरू हो जाता है, जो कोर्ट अवधि समाप्त होने तक जारी रहता है। सिविल कोर्ट परिसर में सभी उम्मीदवार अपने-अपने पक्ष में बैठक कर अपने घोषणा पत्र और प्राथमिकता से अधिवक्ताओं को रूबरू करा रहे हैं। इस बार के चुनाव में एक बार फिर चैंबर का मुद्दा उठने लगा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सहाय तथा महासचिव जितेंद्र कुमार जहां बार एसोसिएशन के विकास कार्यों का हवाला देकर मतदाताओं के बीच अपनी उपलब्धि गिनवा रहे हैं, वहीं विरोधी खेमे को अधिवक्ता समर श्रीवास्तव का साथ मिला है। समर श्रीवास्तव ने अपने कार्यालय के सामने रिमूव डिक्टेटर ऑफ धनबाद बार एसोसिएशन का स्लोगन देकर एक बड़ा बैनर लगा कर अधिवक्ताओं में जागरुकता फैलाने की मुहिम छेड़ रखी है। उन्होंने सोमवार को अपने कार्यालय में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार राधेश्याम गोस्वामी के साथ पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि वर्तमान कमेटी के पास कोई विजन नहीं है।

पलामू प्रमंडल के 552 सहायक पुलिसकर्मियों की सेवा अवधि बढ़ाने पर विचार

अनुबंध समाप्त होने से विधि-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका, डीआईजी ने भेजा प्रस्ताव

बिनय मिश्रा

झारखंड सहायक पुलिस प्रदेश एसोसिएशन, रांची द्वारा सहायक पुलिसकर्मियों की मांगों को लेकर पुलिस उप-महानिरीक्षक (पलामू प्रक्षेत्र) नौशाद आलम को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें बताया गया कि पलामू प्रमंडल के सहायक पुलिसकर्मियों की अनुबंध सेवा अवधि क्रमशः पलामू और लातेहार में 20 अगस्त को समाप्त हो चुकी है, जबकि गढ़वा जिले की अवधि 30 अगस्त को समाप्त हो रही है। एसोसिएशन ने 8 सूत्री मांगों के साथ सहायक पुलिसकर्मियों की सेवा अवधि विस्तार का अनुरोध किया है। प्रमंडल के तीनों जिलों में कुल 552 सहायक पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। पलामू में 155, लातेहार में 238 और गढ़वा में 159। ज्ञापन में कहा गया है कि सहायक पुलिसकर्मी अब तक विभिन्न थाना और प्रतिष्ठानों में संतोषजनक ढंग से कार्य कर रहे हैं। उनकी सेवा अवधि समाप्त होने से विधि-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसीलिए अनुबंध अवधि विस्तार पर गंभीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है।डीआईजी पलामू ने एसोसिएशन का पत्र पुलिस उप-महानिरीक्षक (कार्मिक), झारखंड, रांची को अग्रसारित कर आवश्यक निर्णय हेतु भेजा है।

स्कैन एंड शेयर में धनबाद मेडिकल कॉलेज राज्य में अव्वल

धनबाद : आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत स्कैन एंड शेयर से टोकन जेनरेट कराकर मरीजों का ओपीडी रजिस्ट्रेशन कराने के मामले में सोमवार को दिन धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिए ऐतिहासिक रहा। यहां राज्य में सबसे अधिक 1736 रजिस्ट्रेशन स्कैन एंड शेयर से किए गए। यह पहला मौका है, जब धनबाद मेडिकल कॉलेज इसमें पहले स्थान पर पहुंचा है। अस्पताल के ओपीडी में सोमवार को कुल 1745 मरीजों ने इलाज के लिए पर्ची बनवाई। इसमें 1008 नए और 737 पुराने मरीज थे। इन मरीजों में 1736 की पर्ची स्कैन एंड शेयर से बनवायी गई। सिर्फ नौ की मैनुअल रजिस्ट्रेशन कर पर्ची बनाई गई।

स्कैन एंड शेयर से 1504 रजिस्ट्रेशन कर रांची सदर अस्पताल दूसरे स्थान पर और 1491 रजिस्ट्रेशन के साथ हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल तीसरे स्थान पर था। इसके बाद रिम्स रांची और एम्स देवघर का नंबर आया। धनबाद सदर अस्पताल में स्कैन एंड शेयर से 517 रजिस्ट्रेशन किए गए। यह राज्य में 13वें स्थान पर रहा। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि स्कैन एंड शेयर प्रक्रिया से न केवल रजिस्ट्रेशन आसान हुआ है, बल्कि मरीजों को पर्ची बनवाने में लगनेवाला समय भी काफी कम हो गया है।

धनबाद मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए आई महिला ने ओपीडी में हंगामा किया। झरिया से आई महिला का आरोप था कि वह सुबह 10 बजे अस्पताल पहुंच गई थी।

एनआईटी में इसरो के वैज्ञानिक ने दी भारतीय अंतरिक्ष उद्योग की जानकारी

संवाददाता

जमशेदपुर : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर में दूसरा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों के साथ-साथ यूजी और पीजी के छात्र भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, इसरो, अहमदाबाद के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दीपक मिश्रा ने भारतीय अंतरिक्ष उद्योग में संचार के लिए क्वांटम प्रौद्योगिकियां पर मुख्य व्याख्यान दिया। व्याख्यान के बाद, एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक प्रोफेसर गौतम सूत्रधार ने सभा को संबोधित किया और छात्रों को अंतरिक्ष क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम - गगनयान से जुड़ी अपार चुनौतियों और संभावनाओं पर प्रकाश डाला और छात्रों को देश की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डीन (छात्र कल्याण) डॉ. आरपी सिंह ने छात्रों को इसरो में शामिल होने और भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को आगे बढ़ाने के महान मिशन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सहायक प्रोफेसर डॉ. कुनाल सिंह ने ऑपरेशन सिंधुर में इसरो की स्वदेशी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की, तथा भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों के माध्यम से प्राप्त सामरिक महत्व और आत्मनिर्भरता को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. केएसके सुधामशु द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मेहंदी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

संवाददाता

चक्रधरपुर के प्रख्यात स्वर्ण व्यवसायी एवं जेवर ज्वैलर्स प्रतिष्ठानके संचालक सोनी बर्मन के द्वारा तीज पर्व के अवसर पर तंबाकू पट्टी स्थित अपने प्रतिष्ठान बर्मन होटल परिसर में मेहंदी प्रतियोगिता का भव्य रूप से आयोजन किया गया। इस मेहंदी प्रतियोगिता में काफी संख्या में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया इस मेहंदी प्रतियोगिता में महिलाओं का उत्साह देखते ही बना महिलाओं ने तीज पर के अवसर पर जेवर ज्वैलर्स के द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता को काफी अभूतपूर्व बताया और कहा कि इस प्रतियोगिता में उन्हें हिस्सा बनने का मौका मिला है इसका श्रेय जेवर ज्वैलर्स और सोनी बर्मन को जाता है तथा इसके लिए सोनी बर्मन बधाई के पात्र हैं जिन्होंने महिला को इस तीज पर्व के अवसर पर इस प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर दिया वहीं सोनी बर्मन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से उनका उद्देश्य महिलाओं में उत्साह बढ़ाने के साथ-साथ प्रतियोगिता के प्रति लगाव उत्पन्न करना भी है उन्हें इस बात की की काफी प्रसन्नता है कि इस कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी सहभागिता निभाने के साथ-साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष चयन के लिए कार्यकर्ताओं का नब्ज टटोलेंगे राष्ट्रीय पर्यवेक्षक

धनबाद : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक राजस्थान के कांग्रेस विधायक दिनेश गुर्जर अपने सात दिवसीय दौर के तहत दो सितंबर को धनबाद पहुंच रहे हैं। वह आठ सितंबर तक धनबाद में रहकर संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत सभी प्रखंडों का दौरा करेंगे और कार्यकताओं संवाद करेंगे। धनबाद में नए जिलाध्यक्ष से लेकर प्रखंड अध्यक्ष और वार्ड अध्यक्ष चुनाव को लेकर प्रक्रिया शुरू हो गई है। एआईसीसी के पर्यवेक्षक के आने के बाद इसमें और रफ्तार आएगी। जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि दिल्ली से पर्यवेक्षक के दौरे का कार्यक्रम पहुंच चुका है। अलग-अलग जगहों पर कार्यकताओं के साथ वह बैठक करेंगे।बैठक में कांग्रेस के सभी वरीय नेताओं को उपस्थिति रहेगी। दो सितंबर को लुबी सर्कुलर रोड स्थित विवाह भवन में कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक करेंगे। अलग-अलग प्रखंडों में उनका कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

सीआरपीएफ कैंप में अंतर सेक्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता

जादूगोड़ा : 22 राज्यों से 341 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट खिलाड़ियों का जादूगोड़ा सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र में आज (सोमवार) को जमावड़ा लगा। इधर पहली बार चार दिवसीय (25 से 28 अगस्त) तक आयोजित अंतर सेक्टर एथलेटिक्स (एडम) प्रतियोगिता-2025 का समारोह के मुख्य अतिथि सह जमशेदपुर सीआरपीएफ के उपमहानिरीक्षक जयदेव केसरी, राखा कॉपर सीआरपीएफ ग्रुप के उपमहानिरीक्षक रमेश कुमार, कमांडेंट पंकज सिंह व द्वितीय कमान अधिकारी नीरज कुमार ने तिरंगा बैलून उड़ाकर खेल का आगाज किया।

इसके पूर्व बैंड की धुन पर मार्च फास्ट की सलामी ली गई। खेलकूद प्रतियोगिता के पहले पहले दिन पांच स्पोर्ट्स मसलन शॉर्ट फूट, हैम्बर थ्रू, जबलिंग थ्रो के प्रतिभागियों ने जोश, जुनून व हौसला के साथ उम्दा प्रदर्शन किया व विजेताओं को समारोह के मुख्य अतिथि जयदेव केसरी (उप महानिरीक्षक, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल जमशेदपुर) रमेश कुमार (उपमहानिरीक्षक, जादूगोड़ा ग्रुप केंद्र) कमांडेंट पंकज सिंह ने गोल्ड, सिल्वर व ब्रॉन्ज मेडल देकर सम्मानित किया।

इस बाबत समारोह के मुख्य अतिथि जयदेव केसरी ने कहा कि कल (मंगलवार) तक जादूगोड़ा ने खेलखूद प्रतियोगिता होगी जबकि 27 व 28 अगस्त को फाइनल मैच टाटा स्टील की जेआरडी कॉम्प्लेक्स में खेला जाएगा। इस मौके ओर उन्होंने कहा कि फिट इंडिया हिट इंडिया अभियान के तहत पहली बार इस आयोजन का मौका जादूगोड़ा ग्रुप को मिला है। यह गर्व की बात है।

22 राज्यों के पहुंचे खिलाड़ी

इस खेलकूद प्रतियोगिता में 22 राज्यों मसलन उड़ीसा, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, केरला, त्रिपुरा, वेस्ट बंगाल, रैफ सेक्टर, साउथ सेक्टर, वेस्टर्न सेक्टर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड,जम्मू सेक्टर, बिहार, राजस्थान, सेंट्रल सेक्टर समेत अन्य राज्यों से खिलाड़ी पहुंचे है।

जीसी रांची बैंड ने जीता समारोह के मुख्य अतिथि जयदेव केसरी का दिल

उद्घाटन समारोह में रांची से जादूगोड़ा पहुंची जीसी रांची बैंड ने अपनी बैंड की धुन से जहां खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की, वही बैंड की धुन ने मुख्य अतिथि जयदेव केसरी सह उपमहानिरीक्षक जमशेदपुर का दिल भी जीत लिया व अंत में जयदेव केसरी उनके साथ फोटो खिंचवाई व जवानों में जोश पैदा करने के लिए बधाई भी दी।

प्रतियोगिता में शामिल खेल

इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न प्रांतो से लगभग 341 खिलाड़ी (पुरुष व महिला) भाग ले रहे हैं। जिसमें 100 मीटर रेस, 200 मीटर रेस, 400 मीटर रेस, 800 मीटर रेस, 1500 मीटर रेस, 5000 मीटर रेस, 10000 मीटर रेस,3000 मी स्टेपल चेज, 110 मीटर हर्डल, 400 मी हर्डल, ऊंची कूद, लंबी कूद, ट्रिपल जंप, पोल वॉल्ट, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो, जैवलिन थ्रो, डेकाथलन, मैराथन, 4.100 रिले रेस 4.100 रिले रेस, 20 किलोमीटर वॉक शामिल है।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी

इस कार्यक्रम में अधिकारियों की ओर से कमांडेंट पंकज सिंह, उर्मिला गारी पुलिस उपमहानिरीक्षक (चिकित्सा), मीना नवीन कुमार सीएमओ (एसजी), नवीन कुमार द्वितीय कमान अधिकारी, नीरज कुमार एवं पवन कुमार उपकमाडेंट तथा जफर आलम, तरुण कुमार बेरा और मकसूद आलम सहायक कमांडेंट इत्यादि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक कमांडेंट मकसूद आलम ने किया।

एआई कभी भी एचआर प्रोफेशनल को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता : निदेशक

संवाददाता

जमशेदपुर : एक्सएलआरआई में वार्षिक फ्लैगशिप सीएचआरओ कॉन्क्लेव क्रोनॉस 2025ह्व का आयोजन किया गया। पीजीडीएम (जीएम) बैच 2025झ्र26 द्वारा आयोजित इस वर्ष का विषय था झ्र रीमेजिनिंग वर्क , वर्कफोर्स & वर्कप्लेस : द सीएचआरओ प्लेबुक फॉर 2030। इसमें भारत के अग्रणी एचआर नेताओं ने हिस्सा लिया और भविष्य के कार्य, कार्यबल और कार्यस्थल की चुनौतियों एवं अवसरों पर चर्चा की। उद्घाटन के अवसर पर एक्सएलआरआई के निदेशक फादर (डॉ.) जॉर्ज सेबेस्टियन, एस.जे., डीन (अकादमिक) डॉ. संजय पात्रो और एसोसिएट डीन (एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम्स) डॉ. पूर्ण चंद्र पाधन ने विचार रखे। इस दौरान फादर सेबेस्टियन ने अपने संबोधन में कहा, एचआर प्रोफेशनल्स को कभी भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रतिस्थापित नहीं कर सकता।

एचआर मूलतः मानवीय ज्ञान पर आधारित है और किसी भी संगठन की धड़कन है। डॉ. पात्रो ने कार्यस्थल के विकासशील स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एचआर नेताओं को उद्देश्यपूर्ण जॉब डिजाइन और साझा प्रयोगों को बढ़ावा देना होगा. वहीं डॉ. पाधन ने कॉन्क्लेव को शिक्षा जगत और उद्योग के बीच एक सशक्त सेतुह्व बताया। कार्यक्रम का समापन डॉ. कनगराज अय्यलुसामी और रजनी रंजन के मार्गदर्शन में धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस दौरान आयोजन समिति के छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। क्रोनॉस 2025 ने एक बार फिर यह साबित किया कि एक्सएलआरआई न केवल भारत, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी कार्य और संगठनों के भविष्य को दिशा देने वाला अग्रणी संस्थान है। कॉनक्लेव में हुए पैनल डिस्कशन में ट्रांस्सियन इंडिया के सीएचआरओ शलीन मानिक ने कहा कि परफॉर्मेंस के साथ पिवट करना और टैलेंट मोबिलिटी अब जरूरी हो गया है। बीसीजी की सोनलिका यादव ने जोड़ा कि डिसरप्शन के दौर में धैर्य, भरोसा और एगिलिटी सबसे बड़े स्तंभ हैंह्व। वहीं वेदांता पावर की सीएचआरओ अभिलाषा मलवीया ने कहा कि आधुनिक करियर का सार पुनराविष्कार और जुड़ाव में है। वहीं वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप के सीएचआरओ सायन चक्रवर्ती ने रेखांकित किया कि संस्कृति के केंद्र में हमेशा मानवीय जुड़ाव रहेगाह्व। किंड्रिल की कावेरी चौहान ने कहा कि सच्ची समावेशिता तब होगी जब सिस्टम हर किसी के लिए, यहां तक कि न्यूरोडाइवर्जेंट लोगों के लिए भी डिजाइन हों। नॉर्दर्न ट्रस्ट के रॉयडन गोंसाल्वेज ने जोर दिया कि डीईआई केवल नीति नहीं, बल्कि जीने वाली संस्कृति होनी चाहिए।